समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अक्तूबर २०२६ • वर्ष ७७ • अंक १०

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००



दुर्गापूजा, दशहरा एवं दिपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ !



CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYDOORS®

CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates

CENTURYPVC®

CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board

CENTURYPROWUD®
MDF-The ***wood*** *of the future*

zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

SAINIK 710
WATERPROOF PLY

SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on 1800 5722 122

समाज विकास

◆ अक्टूबर २०२६ ◆ वर्ष ७७ ◆ अंक १०

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **असम गौरव सम्मान - २०२५; मुख्यमंत्री की घोषणा** ३
- **संपादकीय :** ५-६
  अंर्तयात्रा : एक कदम असली स्वरूप की ओर
- **अध्यक्षीय :** ७-८
  सेवा कार्य की एक वर्ष की उपलब्धियाँ
- **सम्मेलन समाचार**
  केंद्रीय विधि मंत्री श्री मेघवाल जी को सौंपा ज्ञापन ९
  शिष्टाचार भेंट

विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना**

पितृपक्ष १८
शक्ति के नौ स्वरूप १९

- **प्रांतीय समाचार** १०,१३-१६,२१-२४,२७-३०
  तमिलनाडु, पूर्वोत्तर, गुजरात, बिहार,
  उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, झारखंड, छत्तीसगढ़
- **समीक्षा** - मारवाड़ी विरासत - एक शोधपरक ३१
  स्वागत योग्य प्रयास
- **जातरा संस्मरण** - ३२-३३
  काळी माई रो खेड़ो- कळकत्तो
- नए सदस्यों का स्वागत ३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

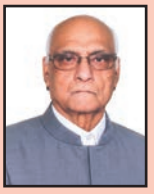
स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

देवी प्रसाद बगड़ोदिया को असम गौरव सम्मान - २०२५

मुख्यमंत्री की घोषणा



यह हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि असम सरकार ने साहित्य के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले हमारे समाज के गौरव, श्री देवी प्रसाद बगड़ोदिया, डिब्रूगढ़ निवासी को प्रतिष्ठित 'असम गौरव २०२५' सम्मान हेतु चयनित किया है।

यह घोषणा दिनांक २३ अक्टूबर को माननीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा जी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में की गई।

यह उनके आजीवन साहित्य साधना का सम्मान है। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और साहित्य यात्रा के निरंतरता की कामना करते हैं।

कोटि-कोटि बधाई एवं शुभकामनाएं!

बधाई!

श्री मुरारीलाल सोंथलिया



तमिलनाडू प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव निर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

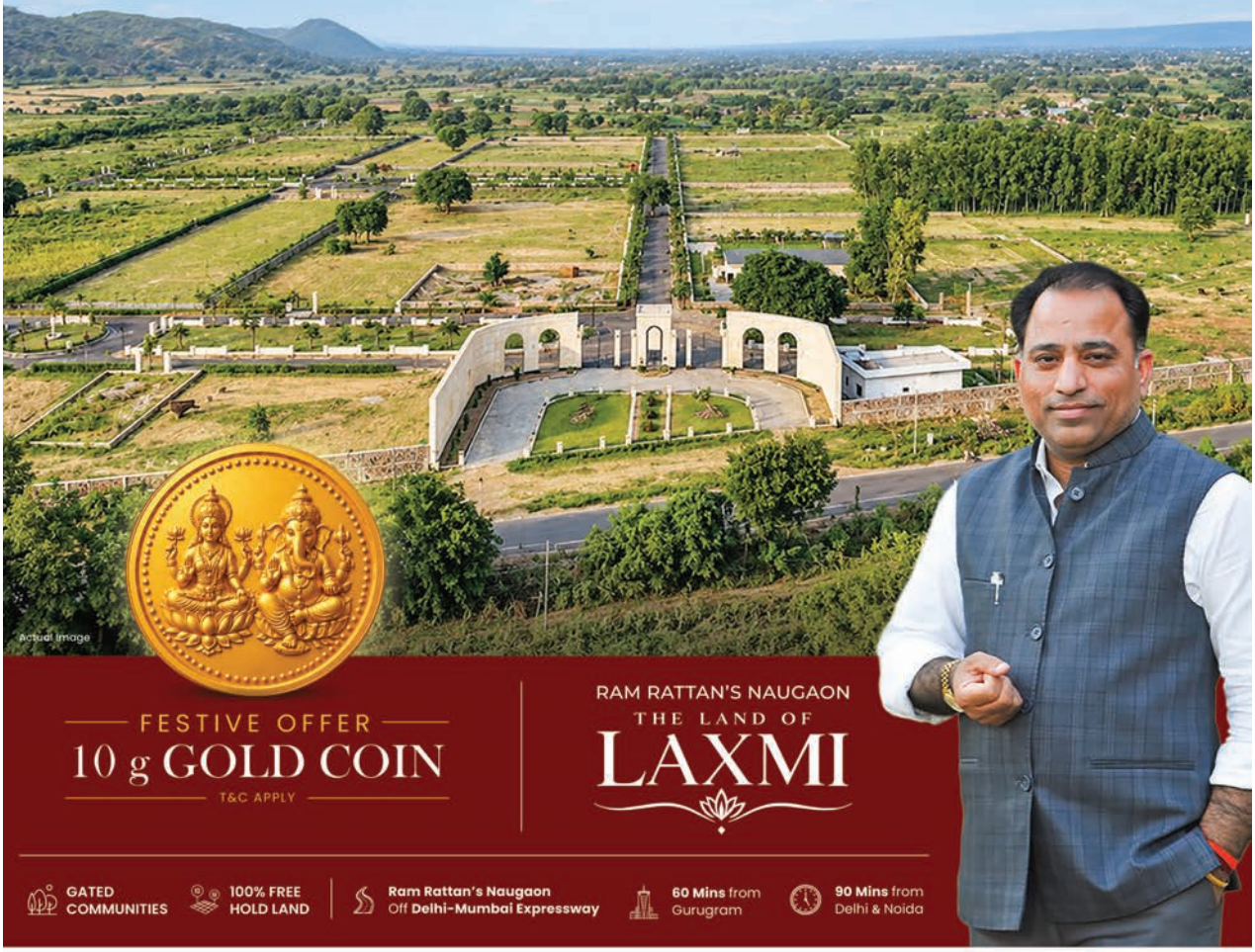
वैवाहिक अवसर पर **मद्यपान** करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

45 YEARS
OF HONESTY, INTEGRITY & TRUSTED PARTNERSHIPS

RAM RATTAN™
GROUP
Developing Farmhouse Communities

जो भूमि आज आपकी है, वही आपकी आने वाली पीढ़ियों की विरासत है।

इस त्योहार के शुभ अवसर पर, समृद्धि को सिर्फ मनाइए नहीं,
उसे आने वाली पीढ़ियों के लिए संजोइए।



FESTIVE OFFER
10 g GOLD COIN
T&C APPLY

RAM RATTAN'S NAUGAON
THE LAND OF
LAXMI

GATED COMMUNITIES
100% FREE HOLD LAND
Ram Rattan's Naugaon Off Delhi-Mumbai Expressway
60 Mins from Gurugram
90 Mins from Delhi & Noida

SCAN THE QR CODE

Email ID: enquiry@ramrattangroup.com | Website: www.ramrattangroup.com +91 99108 88324

DISCLAIMER: This advertisement is for informational purposes only and does not constitute an offer or solicitation for the sale of securities or financial products. The investment opportunity pertains strictly to agricultural land and is subject to applicable laws and regulations. The advertiser assumes no responsibility for any claims, representations, or outcomes related to this investment. Terms and conditions apply. 1 Bigha = 2529.28 m². The statement "90 minutes from Delhi to Naugaon" is indicative and based on an approximate travel distance of 115 km, measured from Mithapur, New Delhi to Naugaon. The estimated travel time is calculated under optimal traffic conditions, normal weather, and uninterrupted road connectivity. Actual travel time may vary depending on factors including, but not limited to traffic density, route selection, road conditions, vehicle type, driving speed, regulatory restrictions, and unforeseen circumstances. This communication is for general information and marketing purposes only and does not constitute a representation, warranty, or assurance of exact travel time.

अंर्तयात्रा - एक कदम असली स्वरूप की ओर



इस समय हम हमारे सर्वोत्तम त्यौहार दुर्गा पूजा को मनाते हुए दीपावली की ओर अग्रसर हो रहे हैं। हमारे जीवन में इन त्योहारों का अत्यधिक महत्व है। ध्यान देने की बात है कि हमारे उत्सव सिर्फ हंसी मजाक या नाच गाने के लिए नहीं बल्कि हमें एक अंर्तयात्रा का संदेश देते हैं। इन त्योहारों में कुछ ऐसे महत्वपूर्ण आयाम निहित है जिनके बारे में हम यहां चर्चा करेंगे और उनकी अहमियत को समझने की कोशिश करेंगे। दोनों ही त्यौहार हमें याद दिलाते हैं कि हमेशा असत्य पर सत्य की, अंधकार पर प्रकाश की एवं अज्ञानता पर ज्ञान की विजय होती है। हमें हमारे अंदर मौजूद अज्ञानता, क्रोध, लोभ, अहंकार और वासना आदि सभी महिषासुर का संहार करने के लिए हमारे अंदर निहित सूप्त शक्तियों को जागृत करना पड़ता है। इसी का नाम दुर्गा है। दीपावली पर हम यह प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर हमें अज्ञान से ज्ञान, अंधकार से प्रकाश, मृत्यु से अमरता की ओर ले चले। आदि शंकराचार्य कहते हैं जगत मिथ्या है - **ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या जीवो ब्रह्मैव नापरः**। 'ब्रह्म ही सत्य है, यह जगत मिथ्या (अवास्तविक या नश्वर) है, और जीव वास्तव में ब्रह्म ही है, उससे अलग (भिन्न) नहीं है।' शास्त्रों में कहां गया है कि जो भूत वर्तमान और भविष्य में कभी ना बदले वह सत्य है। क्योंकि यह संसार लगातार बदल रहा है (जो आज है वह कल नहीं रहेगा) इसे सत्य नहीं मिथ्या कहा गया है। इस सिद्धांत के अनुसार केवल ब्रह्म परमात्मा/चेतना एकमात्र शाश्वत और कभी न बदलने वाला सत्य है। इस तथ्य को समझने पर ही हम हमारे जीवन का असली आनंद ले सकते हैं। बिना आत्मा शरीर मृत शरीर के समान है। भगवत गीता में स्पष्ट कहा गया है:-

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही।।

अर्थ: जैसे मनुष्य पुराने और फटे हुए वस्त्रों को त्यागकर दूसरे नए वस्त्रों को ग्रहण करता है, वैसे ही जीवात्मा पुराने और बेकार शरीरों को त्यागकर दूसरे नए शरीरों को प्राप्त करती है।

गीता(१८.६१) में भगवान ने यह भी कहा है -

ईश्वरः सर्वभूतानां हृद्देशेऽर्जुन तिष्ठति।
भ्रामयन्सर्वभूतानि यन्त्रारूढानि मायया।।

'हे अर्जुन! परमेश्वर (ईश्वर) सभी प्राणियों के हृदय में निवास करते हैं और अपनी माया से सभी जीवों को इस प्रकार घुमाते हैं, मानो वे किसी यंत्र (मशीन) पर आरूढ़ हों।'

इन सब गूढ़ बातों को छन्दोग्योपनिषद में सरल रूप में समझाया गया है जो कि इस प्रकार है-

उपनिषद में कथा है:- उद्दालक का बेटा श्वेतकेतु ज्ञान लेकर घर लौटा; विश्वविद्यालय से घर आया। बाप ने देखा, दूर गांव की पगडंडी से आते हुए। उसकी चाल में मस्ती कम और अकड़ ज्यादा थी। सुर्य पीछे से उग रहा था। अंबर में लाली फैल रही थी। पक्षी सुबह के गीत गा रहे थे। पर उद्दालक सालों बाद अपने बेटे को घर लोटते देख कर भी उदास हो गया। क्योंकि बाप ने सोचा था विनम्र होकर लौटेगा। वह बड़ा अकड़ा हुआ आ रहा था। अकड़ तो हजारों कोस दूर से ही खबर दे देती है अपनी। अकड़ तो अपनी तरंगें चारों तरफ फैला देती है। वह ऐसा नहीं कि कुछ जान कर आ रहा है। वह ऐसे आ रहा था जैसे मूढ़ता से भरा हुआ। ऊपर-ऊपर ज्ञान तो संग्रहीत कर लिया है। पंडित होकर आ रहा है। ज्ञानी होकर आ रहा है। विद्वान होकर आ रहा है। प्रज्ञावान होकर नहीं आ रहा। ज्ञानी हो कर नहीं आ रहा। कोई अपनी समझ की ज्योति नहीं जली है। अंधेरे शास्त्रों का बोझ लेकर आ रहा है। बाप दुःखी और उदास हो गया!

बेटा आया, उद्दालक ने पूछा कि क्या–क्या तू सीख कर आया?

उसने कहा, सब सीख कर आया हूं। कुछ छोड़ा नहीं यही तो मूढ़ता का वक्तव्य है। उसने गिनती करा दी, कितने शास्त्र सीख कर आया हूं। सब वेद कंठस्थ कर लिए है। सब उपनिषद जान लिए है। इतिहास, भूगोल, पुराण, काव्य, तर्क, दर्शन, धर्म सब जान लिया है। कुछ छोड़ा नहीं है। सब परीक्षाए पूरी करके आया हूं। स्वर्ण पदक लेकर आया हूं। बाप ने कहा लेकिन तूने उस एक को जाना, जिसे जान कर सब जान लिया जाता है?

उसने कहा कैसा एक? किस एक की बात कर रहे है आप? बाप ने कहां, तूने स्वयं को जाना, जिसे जानने से सब जान लिया जाता है। श्वेतकेतु उदास हो गया। उसने कहा, उस एक की तो कोई चर्चा वहां हुई ही नहीं। एक दिन पिता उद्दालक ने श्वेतकेतु को अपने पास बुलाया और पूछा:

'हे श्वेतकेतु! तुम इस तरह अहंकार से भरे हुए हो, मानो तुमने सब कुछ जान लिया है। क्या तुमने अपने गुरु से उस ज्ञान (आदेश) के बारे में पूछा, जिसको सुन लेने से वह सब भी सुन लिया जाता है जो अनसुना है, जिसके जान लेने से वह सब जान लिया जाता है जो अज्ञात है?'

श्वेतकेतु आश्चर्यचकित रह गए। उन्होंने कहा, 'पिताजी, भला ऐसा कौन सा ज्ञान है जिससे एक ही चीज़ को जानने से सब कुछ जान लिया जाए? मेरे पूज्य गुरुजी निश्चित ही इसे नहीं जानते होंगे, अन्यथा वे मुझे अवश्य बताते। कृपा करके आप ही मुझे यह ज्ञान दीजिए।'

उद्दालक ने बात को समझाने के लिए व्यावहारिक उदाहरण दिए:

मिट्टी का उदाहरण: *'हे सौम्य! जैसे मिट्टी के एक ढेले को जानने से मिट्टी से बनी सभी वस्तुएं (घड़ा, खिलौना, ईंट आदि) जान ली जाती हैं। वे सब तो केवल नाम और रूप के कारण अलग दिखती हैं, वास्तव में सत्य तो केवल 'मिट्टी' ही है।'*

सोने का उदाहरण: *"जैसे सोने के एक टुकड़े को जानने से सोने के सभी आभूषण (हार, अंगूठी) जान लिए जाते हैं, क्योंकि नाम अलग होने पर भी सत्य केवल 'सोना' ही है।'* और लोहे से बने सबसे सरल औजारों के लिए भी यही सत्य है। हे पुत्र, यही वह ज्ञान है जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूँ।"

इसी प्रकार, इस पूरे ब्रह्मांड का एक ही मूल कारण (Substance) है, जिसे 'सत्' (Pure Existence/ब्रह्म) कहा जाता है। उस एक 'सत्' को जान लेने से संसार की हर वस्तु का ज्ञान हो जाता है।

मनुष्य आत्मा, शाश्वत सत्ता के साथ एक हो जाता है। मनुष्य का मन एक लंबे रस्सियों से बंधे जानवर के समान है। वह गोल-गोल घूमता रहता है और छूट नहीं पाता। जब मनुष्य की मृत्यु होती है, तो उसकी वाणी उसके मन में विलीन हो जाती है, उसका मन प्राण में समा जाता है, प्राण प्रकाश में विलीन हो जाता है, और प्रकाश उस असीम शक्ति में विलीन हो जाता है। वह शक्ति सूक्ष्म है। वह ब्रह्मांड में व्याप्त है। वही सत्य है। वही आत्मा है। हे श्वेतकेतु, तुम वही हो।

श्वेतकेतु संतुष्ट नहीं थे और उस सर्वव्यापी शक्ति के बारे में और अधिक जानना चाहते थे। यहाँ उद्दालक ने उन्हें

उदाहरणों के माध्यम से एक और अनेक के बारे में सुंदर ढंग से समझाया।

वह कहते हैं, "प्रिय बालक, मधुमक्खियाँ विभिन्न फूलों से शहद की बूँदें लाकर छत्ते में जमा करती हैं। छत्ते में पहुँचने के बाद क्या उन बूँदों को पता होता है कि वे किस फूल से आई हैं? क्या उन्हें यह जानना आवश्यक है? उसी प्रकार, जब ये सभी प्राणी अस्तित्व के सागर में विलीन हो जाते हैं, तो उन्हें यह नहीं पता होता कि वे कहाँ से आए हैं। जब वे चेतना के सागर में, एक ही सत्ता के सागर में विलीन हो जाते हैं, तो सभी एक हो जाते हैं। वह सूक्ष्म है। वह सर्वव्यापी है। वह आत्मा है। हे श्वेतकेतु, तुम वही हो।"

फिर उद्दालक सभी नदियों के सागर में विलीन हो जाने और अपनी पहचान खो देने का उदाहरण देते हैं। फिर वे एक और उदाहरण देते हैं जिसमें वे समझाते हैं कि पेड़ का एक हिस्सा काटने से पूरा पेड़ नहीं मरता। केवल वही हिस्सा मरता है जो काटा जाता है। इस प्रकार, जो अपने जीवन से वंचित हो जाता है वह मर जाता है, लेकिन जीवन स्वयं नहीं मरता। वह शक्ति जिससे जीवन शाश्वत रहता है, वह आत्मा है। हे श्वेतकेतु, तुम वही हो।

श्वेतकेतु को बात पूरी तरह समझ नहीं आई, इसलिए उन्होंने पिता से और विस्तार से समझाने का अनुरोध किया।

ऋषि उद्दालक ने श्वेतकेतु को समझाने के लिए कई छोटे-छोटे प्रयोग और उदाहरण दिए, जिनमें से दो सबसे प्रसिद्ध हैं:

बरगद के बीज का उदाहरण

उद्दालक: 'श्वेतकेतु, सामने के बरगद के पेड़ से एक फल तोड़कर लाओ।'

श्वेतकेतु: 'जी पिताजी, यह रहा फल।'

उद्दालक: 'इसे तोड़ो, इसके भीतर क्या है?'

श्वेतकेतु: 'इसके भीतर बहुत छोटे-छोटे बीज हैं।'

उद्दालक: 'अब इनमें से एक छोटे से बीज को भी तोड़ो। अब बताओ तुम्हें क्या दिख रहा है?'

श्वेतकेतु: 'इसके भीतर तो कुछ भी नहीं दिख रहा है, पिताजी।'

उद्दालक: "मेरे बच्चे, इस सूक्ष्म (invisible) तत्व को तुम आँखों से नहीं देख पा रहे हो, लेकिन इसी अदृश्य सूक्ष्म सार तत्व के कारण इतना विशाल बरगद का पेड़ खड़ा है। यह पूरा ब्रह्मांड भी इसी सूक्ष्म सत्ता (Brahman) पर टिका है। वही परम सत्य है, वही आत्मा है, और **तत त्वम् असि** (श्वेतकेतु, वह तुम ही हो)।"

उद्दालक: "श्वेतकेतु, एक पात्र में पानी लो और उसमें थोड़ा नमक डाल दो, और कल सुबह मेरे पास आना।'

(अगली सुबह श्वेतकेतु आए)

उद्दालक: 'जो नमक कल तुमने पानी में डाला था, उसे निकालो।'

श्वेतकेतु: 'पिताजी, नमक तो पानी में पूरी तरह घुल गया है, वह दिखाई नहीं दे रहा।'

उद्दालक: 'अच्छा, इस पानी को ऊपर से चखो, कैसा स्वाद है?'

श्वेतकेतु: "यह नमकीन है।"

उद्दालक: "इसे बीच से और नीचे से चखो, कैसा स्वाद है?"

श्वेतकेतु: 'यह हर जगह से नमकीन ही है।'

उद्दालक: 'ठीक इसी तरह, वह परमात्मा/सच्ची चेतना इस पूरे संसार में व्यापक रूप से घुली हुई है। यद्यपि तुम उसे देख या छू नहीं सकते, लेकिन वह कण-कण में विद्यमान है। वही इस सृष्टि का सार है, और तत त्वम् असि (वह तुम ही हो)।'

श्वेतकेतु ने अपने पिता से और अधिक शिक्षा देने की विनती की, और उद्दालक ने आगे कहा:

"जाओ, इसे फेंक दो और मेरे पास वापस आओ।"

श्वेताकेतु ने ऐसा ही किया और लौट आया।

श्वेताकेतु: 'लेकिन पिताजी, हालांकि मैंने इसे फेंक दिया है, नमक अभी भी बचा हुआ है।'

उद्दालक: "इसी प्रकार, यद्यपि तुम सूक्ष्म सार को सुन, अनुभव या जान नहीं सकते, वह यहाँ विद्यमान है। जो कुछ भी विद्यमान है, उसका सार उस सूक्ष्म सार में समाहित है। वही सत्य है। वही आत्मा है, और तुम, श्वेतकेतु, वही हो (तत्त्वमसि)।"

इस वैज्ञानिक और आध्यात्मिक प्रयोग के बाद, ऋषि उद्दालक ने श्वेतकेतु को वह परम दीक्षा दी जो उपनिषदों का प्राण बन गई। उन्होंने कहा:

"स य **एषोऽणिमैतदात्म्यमिदं सर्वं तत्सत्यं** स आत्मा तत्त्वमसि श्वेतकेतो।"

अर्थात: "वह जो अत्यंत सूक्ष्म तत्व है, वही इस संपूर्ण जगत की आत्मा है। वही एकमात्र परम सत्य है। और हे श्वेतकेतु! वह दिव्य, सनातन और सर्वव्यापी शुद्ध चैतन्य तत्व कोई और नहीं, बल्कि 'तत्त्वमसि' – वह तुम ही हो! तुम्हारे भीतर जो आत्मा बैठी है, वही साक्षात् ब्रह्म है।"

इस एक महावाक्य के चोट करते ही श्वेतकेतु के भीतर का सारा किताबी अहंकार, उपाधियों का घमंड और 'मैं-पन' का भ्रम एक पल में बह गया। उन्हें बोध हो गया कि वे केवल हाड़-मांस का शरीर या समाज द्वारा दी गई कोई पहचान नहीं हैं, बल्कि वे स्वयं उस अखंड और अविनाशी चेतना का हिस्सा हैं।

इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि जब हम अपने असली स्वरूप को भूलकर भौतिक स्तर पर जीवन जीना प्रारंभ कर देते हैं तो हमारे शुद्धता में कमी आ जाती है और यही हमारे जीवन में दुख एवं अशांति का कारण बन जाते हैं। भारतीय दर्शन और अध्यात्म (जैसे भगवद गीता) के अनुसार, इसका मुख्य कारण निम्नलिखित है:

इंद्रिय तृप्ति की चाह: जब हम खुद को सिर्फ शरीर मानते हैं, तो हमारा पूरा ध्यान इंद्रियों के सुख (स्वाद, स्पर्श, रूप आदि) को भोगने में लग जाता है।

अपेक्षा और आसक्ति (मोह): भौतिक चीजों और लोगों से अत्यधिक जुड़ाव होने पर मोह पैदा होता है।

अतृप्ति से क्रोध और लोभ: जब सांसारिक इच्छाएं पूरी नहीं होतीं तो क्रोध आता है, और जब पूरी हो जाती हैं तो उन्हें और पाने का लोभ बढ़ता है।

समाधान:

इन विकारों से मुक्त होने के लिए आत्म-बोध (Self-realization) की आवश्यकता होती है। जब व्यक्ति शरीर के स्तर से ऊपर उठकर खुद को आत्मा या चेतना (Soul/Consciousness) के स्तर पर अनुभव करता है, तब ये विकार अपने आप शांत होने लगते हैं।

परिवार में आपसी संबंधों में जो बिखराव आ रहा है एवं समाज में जो विसंगतियां पैदा हो रही है उसको हल करने का प्रभावशाली तरीका है कि व्यक्ति स्वयं के ऊपर ध्यान दे।

बकौल शायर:

उम्र भर गालिब मैं यही भूल करता रहा
धूल चेहरे पर थी आईना साफ करता रहा।

यह त्यौहार आकर हमें संदेश देते हैं ताकि हम अपने असली स्वरूप में स्थित रहते हुए अपनी सोच को सुव्यवस्थित करे।

शिव कुमार लोहिया

सेवा कार्य की एक वर्ष की उपलब्धियाँ

पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष



६-७ सितंबर २०२५ को नई दिल्ली में दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में जब मैंने राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व ग्रहण किया, तब मन में अनेक संकल्प और आँखों में संगठन के उज्ज्वल भविष्य के सपने थे। सम्मेलन के संस्थापक मनीषियों द्वारा स्थापित गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाना, समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रभावी कदम उठाना और अधिवेशन में पारित प्रस्तावों को धरातल पर उतारना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी से दायित्व प्राप्त करने के साथ ही मेरी यह यात्रा प्रारंभ हुई। आज एक वर्ष की इस यात्रा को पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो अनेक उपलब्धियाँ, भावुक स्मृतियाँ, चुनौतियाँ और भविष्य के प्रति नई आशाएँ मन में जाग उठती हैं।

मेरे लिए सम्मेलन केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक विशाल परिवार है। जिस प्रकार परिवार की प्रगति सभी सदस्यों की सहभागिता से संभव होती है, उसी प्रकार संगठन की वास्तविक शक्ति भी प्रांतों, शाखाओं, पदाधिकारियों और प्रत्येक समाजबंधु के सहयोग में निहित है। इसी भावना के साथ मैंने पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री केदारनाथ गुप्ता जी को राष्ट्रीय महामंत्री का दायित्व सौंपा और अनुभवी एवं कर्मठ साथियों की टीम तैयार की। विभिन्न प्रांतों से आए प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी अपेक्षाओं, सुझावों और संगठन के प्रति समर्पण को समझने का प्रयास किया। मेरा विश्वास है कि संवाद, सहभागिता और सामूहिक उत्तरदायित्व ही किसी भी संगठन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के आधार हैं।

इसके बाद प्रांतीय दौरों का सिलसिला प्रारंभ हुआ। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पूर्वोत्तर, सिक्किम और उत्तर एवं साउथ बंगाल, गुजरात, पूर्वोत्तर, आंध्र प्रदेश, उत्कल, झारखंड, पंजाब सहित विभिन्न क्षेत्रों में समाजबंधुओं से मिलने और संगठनात्मक गतिविधियों को निकट से समझने का अवसर मिला। इन यात्राओं ने यह विश्वास मजबूत किया कि समाज में सेवा, सहयोग और संगठन विस्तार की अपार संभावनाएँ हैं। आवश्यकता है कि इस सामूहिक ऊर्जा को सही दिशा देकर समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मेलन के उद्देश्यों से जोड़ा जाए।

मुझे सम्मेलन की सर्वोच्च नीति-निर्धारक संस्था अखिल भारतीय समिति की बैठक में प्रांतीय पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी और वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। यह अनुभव प्रेरणादायी रहा। हालांकि इसी दौरान समाज और सम्मेलन को गहरी क्षति भी सहनी पड़ी। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रामअवतार जी पोद्दार और पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री भानीराम जी सुरेका के निधन ने मन को व्यथित कर दिया। अक्टूबर का वह समय आज भी भावुक कर देता है। उनका अनुभव, समर्पण और संगठन के प्रति योगदान सदैव हमारी स्मृतियों में जीवित रहेगा।

वर्ष २०२५ में सम्मेलन के ९१वें स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कोलकाता में उपस्थित होना मेरे लिए विशेष गौरव का क्षण था। पश्चिम बंगाल सरकार की मंत्री डॉ. शशि पांजा तथा मोहन फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. सुनील ओझा की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। डॉ. ओझा को प्रतिष्ठित राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान से सम्मानित किया गया।

सम्मेलन की एक महत्त्वाकांक्षी योजना-सीताराम रुँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन-के निर्माण को गति देने के लिए विशेष पूजा आयोजित की गई। इस भवन की आधारशिला २० जुलाई २०१८ को तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष जी सराफ के कार्यकाल में रखी गई थी। विभिन्न प्रशासनिक और अन्य कारणों से निर्माण की प्रक्रिया में विलंब हुआ, लेकिन भवन निर्माण उपसमिति के निरंतर प्रयासों से अब यह सपना साकार होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। लगभग १५,००० वर्गफीट में बनने वाला यह भवन समाज की गतिविधियों, बैठकों और सेवा कार्यों का महत्त्वपूर्ण केंद्र बनेगा। इसके लिए मेसर्स एस.आर. रुँगटा ग्रुप का योगदान विशेष रूप से सराहनीय है।

मेरे अध्यक्षीय कार्यकाल का एक महत्त्वपूर्ण संकल्प राजस्थानी भाषा, हमारी मायड़ भाषा, को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित कराने के प्रयासों को गति देना रहा है। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों तथा राजस्थान के जनप्रतिनिधियों से पत्राचार और मुलाकातों के माध्यम से इस विषय को प्रमुखता से उठाया गया है। यह अभियान निरंतर जारी है। हमें विश्वास है कि सामूहिक प्रयासों से मायड़ भाषा को उसका उचित संवैधानिक सम्मान दिलाने की दिशा में सफलता अवश्य मिलेगी। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति, लोकस्मृतियों और पीढ़ियों के बीच भावनात्मक संबंधों की आधारशिला है। हमारा प्रयास है कि घरों में बच्चों से मायड़ भाषा में संवाद हो, लोकगीतों, लोककथाओं और साहित्य को प्रोत्साहन मिले तथा नई पीढ़ी अपनी भाषाई विरासत पर गर्व करना सीखे। संवैधानिक मान्यता के साथ-साथ जनजीवन में इसके प्रयोग को बढ़ाना भी हमारा सामूहिक दायित्व है।

आज समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक नई पीढ़ी में संस्कारों का क्षरण और पारिवारिक मूल्यों से बढ़ती दूरी है। आधुनिकता और प्रगति का स्वागत करते हुए भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारी वास्तविक पहचान संस्कार, सदाचार, बड़ों के प्रति सम्मान, छोटों के

प्रति स्नेह और सेवा भावना में है। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा और आर्थिक सफलता ही नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, अनुशासन, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की सीख देना भी आवश्यक है। इसी उद्देश्य से संस्कारशाला और संस्कार-संस्कृति चेतना से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। परिवार, विद्यालय और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर ऐसी पीढ़ी तैयार करें, जो अपनी परंपराओं से जुड़ी होने के साथ आधुनिक भारत के निर्माण में भी सक्रिय योगदान दे। हमने सामाजिक जागरण हेतु राष्ट्रीय चिंतन हेतु २ एवं ३ मई २०२६, को लाडनूं, राजस्थान में 'मंथन' नामक कार्यक्रम के माध्यम से २८वें राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित प्रमुख प्रस्तावों पर सर्वसमाज से अपील कर इन प्रस्तावों पर सक्रिय भूमिका निभाने का आवाहन किया।

हमारे हिंदू त्योहार हमारी सांस्कृतिक एकता, पारिवारिक निकटता और सामाजिक सद्भाव के जीवंत प्रतीक हैं। दीपावली, होली, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, नवरात्रि, दीपावली और मकर संक्रांति जैसे पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के अवसर हैं। इन पर्वों को धार्मिक आस्था, सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और जरूरतमंदों की सेवा के साथ मनाने की परंपरा विकसित होनी चाहिए। स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और सम्मेलन के स्थापना दिवस को व्यापक स्तर पर मनाने की अपील को भी उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। पूर्वोत्तर, बिहार, झारखंड और उत्कल सहित विभिन्न प्रांतों की शाखाओं ने विशेष कार्यक्रम आयोजित कर राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया।

समाज सुधार के क्षेत्र में वैवाहिक परंपराओं को स्वस्थ, सरल और मर्यादित बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। विवाह दो व्यक्तियों के साथ-साथ दो परिवारों का संबंध है, न कि धन-प्रदर्शन और प्रतिष्ठा की प्रतिस्पर्धा। दहेज, अनावश्यक आडंबर, अत्यधिक खर्च, दिखावे की होड़, नशे को बढ़ावा देने वाले आयोजन और विवाह समारोहों में फिजूलखर्ची, प्री वेडिंग–शूट जैसी कुरीतियाँ समाज को गलत दिशा में ले जाती हैं। इनके कारण अनेक परिवार आर्थिक दबाव झेलते हैं और सामाजिक असमानता को बढ़ावा मिलता है। हमें सामूहिक रूप से ऐसी परंपराओं पर अंकुश लगाने, सादगीपूर्ण विवाहों को प्रोत्साहित करने, बेटियों की शिक्षा एवं सम्मान को प्राथमिकता देने और टूटते पारिवारिक रिश्तों को संवाद तथा समझदारी से सँभालने के लिए जनजागरण करना होगा। वैवाहिक प्रकोष्ठ और पारिवारिक संबंधों से जुड़े प्रयासों का उद्देश्य भी यही है कि विवाह संस्कार बने, सामाजिक प्रदर्शन का माध्यम नहीं। समाज में बदलाव केवल प्रस्तावों से नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार के व्यवहार में परिवर्तन से आएगा।

महिलाओं का सशक्तिकरण भी समाज की प्रगति का अनिवार्य आधार है। मातृशक्ति को केवल परिवार की धुरी मानना पर्याप्त नहीं; उन्हें शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, सामाजिक नेतृत्व और संगठनात्मक निर्णयों में समान अवसर देना आवश्यक है। हमारी मातृशक्ति अपनी प्रतिभा और अनुभव से समाज को नई दिशा दे सकती है। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने, उनके आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने और उन्हें सामाजिक सेवा तथा नेतृत्व के अधिक अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देना होगा। इसी प्रकार युवाशक्ति को संगठन की भावी धरोहर मानते हुए उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना आवश्यक है। दिल्ली में आयोजित बिजनेस मीट के माध्यम से युवा उद्यमियों और स्टार्टअप शुरू करने के इच्छुक युवाओं को मार्गदर्शन एवं सहयोग देने का प्रयास किया गया। हमारा लक्ष्य है कि युवा केवल कार्यक्रमों के सहभागी न रहें, बल्कि योजना निर्माण, संगठन विस्तार, रोजगार सृजन और समाज सुधार के नेतृत्वकर्ता भी बनें।

स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा, रोजगार, राजनीतिक चेतना और सेवा कार्यों को गति देने के लिए विभिन्न उपसमितियों का गठन किया गया। अनेक अस्पतालों के साथ समझौते किए गए हैं और समाजबंधुओं को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ सरलता से उपलब्ध कराने के लिए हेल्थ कार्ड की योजना पर कार्य चल रहा है। संगठन विस्तार के क्रम में पंजाब के अमृतसर में पहली शाखा गठित हुई तथा मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में नई शाखाएँ स्थापित की गईं। विभिन्न प्रांतों में चुनाव संपन्न हुए और नए पदाधिकारियों ने दायित्व सँभाले। इन प्रयासों से संगठन में नई ऊर्जा और व्यापक सहभागिता का संचार हुआ है।

इस वर्ष की सबसे मार्मिक स्मृतियों में पूर्वोत्तर असम की भीषण बाढ़ भी शामिल है। वहाँ की स्थिति देखकर मन व्यथित हुआ और मैंने स्वयं तीन दिवसीय पूर्वोत्तर दौरा कर हालात को जायजा लिया। समाजबंधुओं से सहयोग की अपील की, जिसका व्यापक सकारात्मक प्रभाव पड़ा। समाजसेवियों, सदस्यों, प्रांतीय पदाधिकारियों और शाखाओं के सहयोग से राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ हुए। संकट की इस घड़ी में मिली सामूहिक सहायता ने यह सिद्ध किया कि सेवा ही संगठन की आत्मा है और पीड़ित मानवता की सहायता ही सामाजिक एकता की सबसे बड़ी कसौटी है।

एक वर्ष की यह यात्रा मेरे लिए उपलब्धियों के साथ-साथ सीखने और जिम्मेदारियों को और गहराई से समझने का अवसर रही है। मैं सम्मेलन के सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों, महामंत्रियों एवं वर्तमान पदाधिकारियों, प्रांतीय इकाइयों एवं शाखाओं के पदाधिकारियों एवं सबसे महत्वपूर्ण जो किसी भी संस्था के लिए जरुरी कार्यकर्ताओं, वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, युवाशक्ति और समाजबंधुओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आगे हमारा संकल्प सदस्यता विस्तार, प्रत्येक जिले तक संगठन की पहुँच, संस्कार-संस्कृति का संरक्षण, मायड़ भाषा का प्रचार-प्रसार, महिला एवं युवा सशक्तिकरण, स्वस्थ वैवाहिक परंपराओं और सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने का है।

मेरा विश्वास है कि जब संगठन का प्रत्येक सदस्य अपने दायित्व को सेवा का अवसर मानेगा, प्रत्येक परिवार संस्कारों का केंद्र बनेगा, युवा नेतृत्व सँभालेंगे और मातृशक्ति विकास की धुरी बनेगी, तभी हमारा समाज सशक्त, संस्कारित और प्रगतिशील बनेगा। आइए, हम सब मिलकर सम्मेलन की गौरवशाली विरासत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ और अपने ध्येय–"म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति"–को सार्थक करें।

जय राष्ट्र–जय सम्मेलन–जय समाज

केंद्रीय विधि मंत्री श्री मेघवाल जी को सौंपा ज्ञापन



१४ अक्टूबर २०२६ को राजस्थानी भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित कर संवैधानिक मान्यता दिलाने की माँग को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाते हुए अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल जी से उनके दिल्ली स्थित आवास पर भेंट की तथा इस संबंध में विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में स्थान देने की माँग को प्रमुखता से उठाते हुए इसके लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर बल दिया कि राजस्थानी भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध साहित्यिक परंपरा, गौरवशाली इतिहास, लोक-संस्कृति और सांस्कृतिक अस्मिता की सशक्त पहचान है। इसे संवैधानिक मान्यता मिलना भाषा के संरक्षण, संवर्धन और भावी पीढ़ियों तक इसकी विरासत पहुँचाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम होगा।

इस अवसर पर सम्मेलन की ओर से श्री मेघवाल जी को दुपट्टा ओढ़ाकर, सम्मेलन का **स्मृति-चिह्न**, पत्रिका **'समाज विकास'** तथा **'अपील'** की प्रति भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति के सदस्य श्री सज्जन शर्मा, श्री विनोद राठी सहित समाज के अन्य गणमान्य बंधु उपस्थित थे।

श्री मेघवाल ने ज्ञापन पढ़ा और महसूस किया राजस्थानी भाषा को संविधान में अवश्य स्थान मिलना चाहिये उन्होंने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और कहा वो इस मुहीम में सम्मेलन के साथ हैं।

शिष्टाचार भेंट



गुवाहाटी के होटल विवांता में २८ सितम्बर २०२६ को राजस्थान फाउंडेशन, असम चैप्टर के अध्यक्ष श्री रतन शर्मा के नेतृत्व में **'प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन'** आयोजित हुआ। राजस्थान सरकार के राज्य मंत्री **श्री कृष्ण कुमार (के.के.) विश्नोई** का पारंपरिक असमिया गमोसा पहनाकर स्वागत किया गया। सम्मेलन में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, उद्यमियों एवं प्रवासी राजस्थानियों ने भाग लिया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री बसंत कुमार सुराणा** ने भी आमंत्रित प्रतिनिधि के रूप में सहभागिता की। उन्होंने मंत्री श्री विश्नोई से भेंट कर सम्मेलन की देशव्यापी संगठनात्मक संरचना तथा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा गतिविधियों की जानकारी दी और प्रवासी राजस्थानी समाज को जोड़ने में सम्मेलन की भूमिका पर चर्चा की।

श्री विश्नोई ने सम्मेलन के कार्यों की सराहना करते हुए प्रवासी राजस्थानियों की सहभागिता को राजस्थान के सामाजिक-आर्थिक विकास, कौशल विकास, रोजगार एवं सांस्कृतिक संरक्षण से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने राजस्थान फाउंडेशन की विकासात्मक गतिविधियों में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन को सक्रिय रूप से जोड़ने की इच्छा व्यक्त की।

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION

(A Trust of All India Marwari Federation)

उच्च शिक्षा कोष

समाज के बच्चों को शिक्षित कर परिवार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

विगत १५ वर्षों में देश के विभिन्न भागों के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं को करीब साढ़े ४ करोड़ रुपयों का दिया जा चुका है अनुदान

उदारहृदय समाजबंधुओ का मिल रहा है तहेदिल से साथ

आप भी बढ़ाएँ सहयोग का हाथ समाज के सर्वांगीण विकास में बनें भागीदार!

आर्थिक सहयोग हेतु :

A/c Name : Marwari Sammelan Foundation
A/C Higher Education Fund, A/c No. : 912010008929768
Bank : Axis Bank Ltd.
Branch : Paddapukur, Kolkata-700020
IFSC Code : UTIB0001311

सम्पर्क करें :

MARWARI SAMMELAN FOUNDATION
4B, Duckback House (4th Floor)
41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700017
Ph : 033-4004 4089, Mb : 86973 17557
Web : www.marwarisammelan.com
Email : aimf1935@gmail.com

छात्र/छात्राएँ नि:शुल्क छात्रवृत्ति के लिये सम्पर्क करें

ईंजीनियरिंग, टेक्निकल, चिकित्सा, मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में स्नातकोत्तर-उच्च शिक्षा के लिये छात्रवृत्ति हेतु समाज के मेधावी एवं जरुरतमंद छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित हैं।

पात्रता :

(क) १७ और २५ वर्षों के बीच के उम्र के मेधावी छात्र-छात्राएँ जिनका शैक्षिक परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा हो और जिन्हें केवल अपनी योग्यता के बल पर किसी मान्यताप्राप्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल रहा हो।

(ख) जिन आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय आठ लाख रुपये तक होगी, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रक्रिया :

(क) पूर्व शैक्षिक प्रमाणपत्रो, प्रवेश के प्रमाण, पासपोर्ट साइज के दो फोटो, पहचान पत्र एवं पते का कोई एक प्रमाण, कोर्स फीस (फीस संरचना एवं संस्थान के बैंक खाते का विवरण, पूरे परिवार का एक फोटो, पारिवारिक आय प्रमाणपत्र, अभिभावक का पुनर्भुगतान पत्र, प्रस्तावक का अनुशंसा पत्र एवं प्रांतीय अध्यक्ष द्वारा अनुशंसा पत्र।

(ख) एक छात्र-छात्रा को वर्ष में अधिकतम दो लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा सकती है।

(ग) प्रतिवर्ष कुछ छात्रवृत्तियाँ छात्र-छात्राओं के लिए सुरक्षित है।

आवेदन करें :

चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
५बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपियर सरणी, कोलकाता-१७,
फोन : (०३३) ४००४४०८९, ईमेल : msfkolkata@gmail.com

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया — *चेयरमैन, उच्च शिक्षा उपसमिति*

संतोष सराफ — *संयोजक, उच्च शिक्षा उपसमिति*

पंचम वार्षिक साधारण सभा संपन्न

मुरारीलाल सोंथालिया निर्वाचित अध्यक्ष



तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन, चेन्नई की **पंचम वार्षिक साधारण सभा** २९ सितंबर २०२६ को डी. जी. वैष्णव कॉलेज, अस्म्बाक्कम, चेन्नई के सभाकक्ष में आयोजित हुई। सभा में १०४ सदस्यों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही। श्री संजीव अग्रवाल के नेतृत्व में गायत्री मंत्र के सामूहिक उच्चारण से सभा का शुभारंभ हुआ। अध्यक्ष श्री अशोक केडिया ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया।

सभा में गत बैठक की कार्यवाही को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। महासचिव श्री मोहनलाल बजाज ने संस्था का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसमें वर्षभर की गतिविधियों एवं उपलब्धियों का विवरण समाहित था। सभा ने प्रतिवेदन को सर्वसम्मति से स्वीकार किया।

निर्वाचन अधिकारी श्री राम अवतार रुंगटा ने बताया कि अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों के निर्वाचन की प्रक्रिया २७ सितंबर २०२६ को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। कार्यकारिणी के १६ पदों के लिए १६ वैध नामांकन प्राप्त होने के कारण सभी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए। अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में कुल १०२ मत प्राप्त हुए, जिनमें श्री मुरारीलाल सोंथालिया को ९५ तथा श्री जगदीश प्रसाद शर्मा को ७ मत मिले। परिणामस्वरूप श्री मुरारीलाल सोंथालिया को वर्ष २०२६–२८ के लिए अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री मुरारीलाल सोंथालिया ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात वर्ष २०२६–२८ के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की।

पदाधिकारीगण –

अध्यक्ष : श्री मुरारीलाल सोंथालिया, **उपाध्यक्ष** : श्री बृज खंडेलवाल, **उपाध्यक्ष** : श्री मोहनलाल बजाज, **सचिव** : श्री अजय नाहर, **संयुक्त सचिव** : श्री आदित्य मोहता, **कोषाध्यक्ष** : श्री रविन्द्र गुप्ता, **संयुक्त कोषाध्यक्ष** : श्री संजीव अग्रवाल, **निवर्तमान अध्यक्ष** : श्री अशोक केडिया।



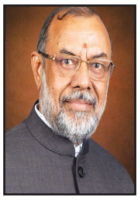
कार्यकारिणी समिति सदस्य –

श्री अनुराग माहेश्वरी, श्री अशोक कुमार लखोटिया, डॉ. गौरव वांघल, श्री गोपाल अग्रवाल, श्री गोविंद प्रसाद अग्रवाल, श्री महतेर् कानोडिया, श्री कृष्ण कुमार नथानी, श्री राज कुमार चालान, श्री सीताराम गोयल एवं श्री विजय कुमार गोयल।

समापन अवसर पर उपाध्यक्ष श्री अशोक कुमार लखोटिया ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सदस्यों से संगठन की सदस्यता बढ़ाने एवं अधिकाधिक नए सदस्यों को जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने डी. जी. वैष्णव कॉलेज प्रबंधन के प्रति भी सहयोग एवं आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त परिचय

मुरारी लाल सोंथलिया



श्री मुरारी लाल सोंथलिया राजस्थान के इस्लामपुर में जन्मे बहुआयामी प्रतिभा के धनी व्यक्ति हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता के साथ-साथ सामाजिक सेवा, संगठन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान निरंतर एवं प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने वाणिज्य विषय में बी. कॉम. की शिक्षा प्राप्त की।

व्यावसायिक जीवन में श्री सोंथलिया लोहे की मिल, ट्रेडिंग, कॉफी बागान एवं फाइनेंस जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े रहे हैं। व्यावसायिक दायित्वों के साथ सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव उनकी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा रही है।

सामाजिक क्षेत्र में उन्होंने तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में समाज का नेतृत्व किया। इसके अतिरिक्त वे श्री अग्रवाल समाज, मद्रास तथा अग्रवाल समाज, तमिलनाडु के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इन दायित्वों के माध्यम से उन्होंने सामाजिक एकता, संगठनात्मक विकास तथा समाजसेवा को नई दिशा देने में सक्रिय भूमिका निभाई।

शिक्षा के क्षेत्र में भी श्री सोंथलिया का योगदान उल्लेखनीय है। वे अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के सचिव एवं संवाददाता तथा सनातन धर्म विद्यालय संगठन के कोषाध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभा रहे हैं। साथ ही, अग्रवाल रिलीफ एंड एजुकेशनल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी के रूप में शिक्षा एवं समाजसेवा से जुड़े विभिन्न कार्यों को दिशा प्रदान कर रहे हैं।

उनका संस्थागत एवं सामाजिक योगदान श्री गीता भवन ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष, दया सदन अग्रवाल विद्यालय के समिति सदस्य तथा कोला सरस्वती अग्रवाल हेल्थ सेंटर की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य के रूप में भी निरंतर परिलक्षित होता है।

व्यवसाय का व्यापक अनुभव, सामाजिक क्षेत्र में नेतृत्व और शिक्षा के प्रति समर्पण–इन तीनों का संतुलित समन्वय श्री मुरारी लाल सोंथलिया के व्यक्तित्व की विशिष्ट पहचान है। विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं में जिम्मेदार दायित्वों का निर्वहन करते हुए वे समाज, शिक्षा और सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय योगदान दे रहे हैं।



DEPARTMENTS

- Cardiology & CTVS • Neuromedicine • Neurosurgery
- Gastroenterology • Gynaecology
- Paediatrics (with Advanced NICU & PICU)
- Orthopaedics • Urology • Pulmonology
- Nephrology & Dialysis • Kidney Transplant and others...

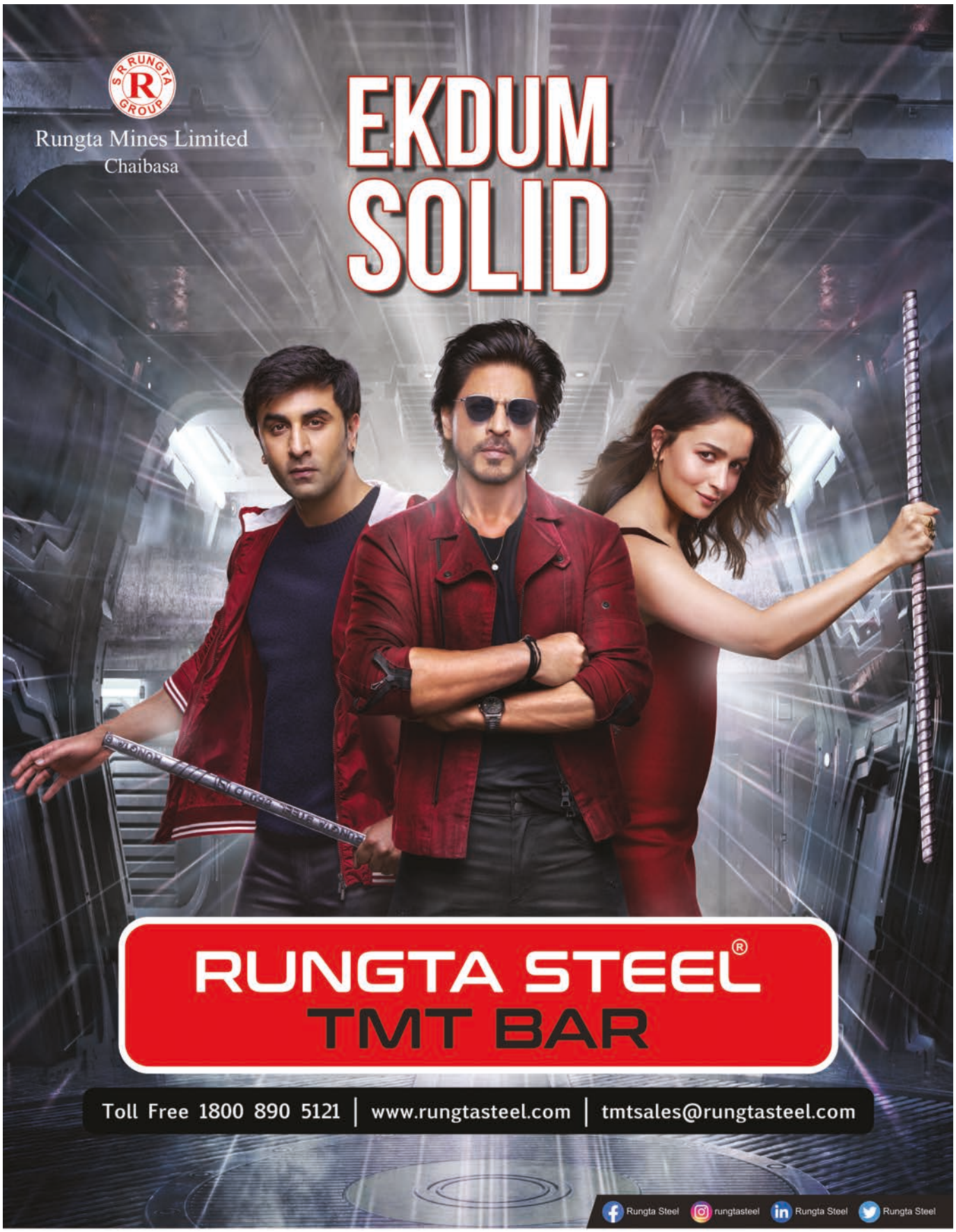
SERVICES

- 24x7 CARDIAC EMERGENCY
- 24x7 TRAUMA CARE
- 24x7 EMERGENCY PHYSICIANS
- 24x7 QUALIFIED NURSES
- 24x7 AMBULANCE SERVICE
- 24x7 BURN UNIT*

Call for Query

85848 30801

www.charnockhospital.com | www.charnocklohiahospital.com



Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

मेगा रक्तदान शिविर



तेरापंथ युवक परिषद, नगांव एवं पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, कलियाबोर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में २३ सितम्बर २०२६ को जे.बी. फ्यूल, जखलाबंधा में मेगा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में कुल ३७ लोगों ने रक्तदान हेतु भाग लिया, जिनमें चिकित्सकीय जाँच एवं पात्रता के उपरांत २६ लोगों ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया। यह पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से आयोजित तीसरा रक्तदान शिविर था। निरंतर सेवा-प्रयासों के माध्यम से स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जरूरतमंदों की सहायता का संदेश दिया गया।

शिविर के सफल आयोजन पर श्री संजय तोषनीवाल, अध्यक्ष एवं श्री अजय बुच्चा, सचिव, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, कलियाबोर शाखा ने सभी प्रतिभागियों, रक्तदाताओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित



मारवाड़ी सम्मेलन, खारूपेटिया शाखा के तत्वावधान में कोस्मो ग्रुप मेडिकल हॉस्पिटल के सहयोग से ६ सितंबर २०२६ को श्री हनुमान मारवाड़ी धर्मशाला में मेगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में २०० से अधिक लोगों ने विभिन्न स्वास्थ्य जांच कराई तथा चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं।

शाखा अध्यक्ष श्री पवन कुमार पोद्दार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खारूपेटिया म्युनिसिपल बोर्ड की चेयरपर्सन श्रीमती कृष्णा साहा, संस्थापक अध्यक्ष श्री अशोक नागोरी, निवर्तमान अध्यक्ष श्री दीपक बैद, श्री हनुमान मारवाड़ी धर्मशाला के अध्यक्ष श्री बजरंगलाल तोषनीवाल, वार्ड सदस्य श्रीमती स्निग्धा जैन तथा कोस्मो ग्रुप के एमडी डॉ. ऋषिकेश हजारिका सहित अन्य अतिथियों का फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। दानदाता श्री विजय रणवीर, पत्रकारों तथा शिविर में सेवाएं देने वाले चिकित्सकों का भी सम्मान किया गया।

सम्मेलन के सचिव श्री गणेश कुमार तोषनीवाल ने स्वागत भाषण दिया। संस्थापक अध्यक्ष श्री अशोक नागोरी ने सम्मेलन की सामाजिक गतिविधियों एवं स्वास्थ्य शिविर की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। श्रीमती कृष्णा साहा तथा डॉ. ऋषिकेश हजारिका ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

नेत्रदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु सम्मानित



समाजसेवा एवं मानव कल्याण के क्षेत्र में सक्रिय मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा एवं कामरूप शाखा को नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा इस पुनीत अभियान में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री शंकरदेव नेत्रालय, गुवाहाटी द्वारा सम्मानित किया गया।

गुवाहाटी शाखा की ओर से प्रतिवर्ष नेत्रदान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न स्तरों पर अभियान चलाए जाते हैं। इसी सामाजिक प्रतिबद्धता एवं सेवा भावना को मान्यता देते हुए नेत्रालय की ओर से शाखा को यह सम्मान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर नेत्रदान संयोजक श्री बजरंग सुराना एवं शाखा सचिव श्री सूरज सिंघानिया उपस्थित रहे। उन्होंने सम्मान को शाखा के सभी सदस्यों, पदाधिकारियों एवं नेत्रदान अभियान से जुड़े सहयोगियों के सामूहिक प्रयासों की उपलब्धि बताया।

इसी क्रम में मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा को भी नेत्रदान जैसे मानवीय एवं पुनीत कार्य को प्रोत्साहित करने तथा जागरूकता अभियान में उल्लेखनीय योगदान के लिए शंकरदेव नेत्रालय द्वारा विशेष मान्यता एवं सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यकारिणी बैठक संपन्न



पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री राजेंद्र कुमार हरलालका के तिनसुकिया आगमन पर स्थानीय होटल में मारवाड़ी सम्मेलन की तिनसुकिया शाखा की विशेष कार्यकारिणी बैठक आयोजित हुई। शाखा सचिव श्री बिमल चोखानी ने बैठक का शुभारंभ किया। शाखा अध्यक्ष श्री पवन केजरीवाल ने फूलम गामोछा पहनाकर श्री राजेंद्र कुमार हरलालका का स्वागत किया।

बैठक में संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, संविधान, राष्ट्रीय समिति में शाखाओं के प्रतिनिधित्व तथा आगामी प्रांतीय अध्यक्ष के चुनाव सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। श्री हरलालका ने सदस्यता विस्तार एवं सामाजिक संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया तथा आगामी प्रांतीय अध्यक्ष के चुनाव में उम्मीदवार के रूप में अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए तिनसुकिया शाखा से सहयोग की अपेक्षा जताई।

उपाध्यक्ष श्री जितेंद्र डालमिया ने धन्यवाद ज्ञापन किया तथा अध्यक्ष श्री पवन केजरीवाल ने सभा समाप्ति की घोषणा की।

दौरा एवं शपथ ग्रहण



पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, **मंडल 'सी'** की प्रांतीय टीम ने विभिन्न शाखाओं का दौरा कर संगठन विस्तार, महिला शाखाओं के गठन, सदस्यता अभियान एवं आगामी प्रांतीय सभा की तैयारियों का जायजा लिया।

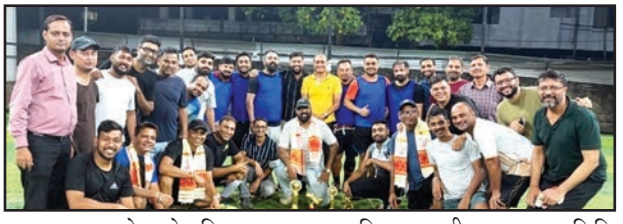
प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा के नेतृत्व में प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद लोहिया, श्री छत्तर सिंह गिड़िया, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री मानिक लाल दममानी एवं मंडलीय सह सचिव श्री ओम प्रकाश पचार दौरे में शामिल रहे। ढकुवाखना में स्व. श्री पवन जैन (पुनिया) के निधन पर श्री ओमप्रकाश जैन के निवास पर संवेदना व्यक्त करने के बाद टीम माजुली पहुंची।

माजुली के कमलाबाड़ी स्थित मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी परिसर में शाखा सदस्यों के साथ बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी प्रांतीय सभा पर चर्चा हुई। इसी अवसर पर महिला शाखा का गठन कर श्रीमती सरिता कोठारी को शाखाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई गई। उपाध्यक्ष, सचिव, सहायक सचिव, कोषाध्यक्ष, सह-कोषाध्यक्ष एवं सलाहकार सहित महिला सदस्यों ने भी शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन मंडलीय सहायक सचिव श्री ओम प्रकाश पचार ने किया। नए आजीवन सदस्यों को भी सम्मेलन से जोड़ा गया।

प्रांतीय टीम ने श्री जनार्दन गोस्वामी से भेंट कर आगामी प्रांतीय सभा के लिए सभागार, अतिथि-आवास एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। श्री गोस्वामी ने सहयोग का आश्वासन दिया।

इसके बाद टीम ने ढकुवाखना, धेमाजी एवं गोगामुख शाखाओं का दौरा किया। ढकुवाखना में शपथ ग्रहण एवं सदस्यता विस्तार, धेमाजी में शाखा सदस्यों से मुलाकात तथा गोगामुख में बैठक एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

'यूनिटी फुटबॉल लीग' सम्पन्न



असम के लोकप्रिय कलाकार जुबिन दा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी शाखा की ओर से **'यूनिटी फुटबॉल लीग – इन मेमोरी ऑफ जुबिन दा'** का आयोजन किया गया। मानपाड़ा स्थित स्पाइडर स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित इस प्रतियोगिता में पांच टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मनोज भजनका ने ट्रॉफी का अनावरण किया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्री शंकर बिड़ला ने कहा कि जुबिन दा की स्मृति को समर्पित यह आयोजन खेल भावना के साथ एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश देने वाला यादगार अवसर बना।

आयोजन को सफल बनाने में श्री विनोद कुमार लोहिया, श्रीमती सरिता लोहिया, श्री महेंद्र मित्तल, श्री प्रदीप भुवालका, श्री प्रभास अग्रवाल, श्री विनोद कुमार जिंदल, श्री राजेश भजनका एवं श्री विकास जैन सहित सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लालुक-दुलाहाट-हारमोती शाखा पदाधिकारियों का शपथ



पूर्वोत्तर प्रादेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की **लालुक-दुलाहाट-हारमोती शाखा** का **शपथ ग्रहण** समारोह लालुक पेट्रोल पंप परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लखीमपुर से प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री छत्तर सिंह गिड़िया, मंडलीय उपाध्यक्ष श्री माणिक लाल दममाणी तथा बंदरदेवा से मंडलीय सहायक सचिव श्री ओम प्रकाश पचार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री ओम प्रकाश पचार ने किया। अपने संबोधन में श्री छत्तर सिंह गिड़िया ने सम्मेलन की संगठनात्मक गतिविधियों, सदस्यों को प्रांतीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाली सुविधाओं तथा विभिन्न सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए सभी सदस्यों से सक्रिय रूप से संगठन से जुड़े रहने का आह्वान किया।

श्री माणिक लाल दामाणी ने राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं मंडलीय संगठन की भूमिका तथा आपसी समन्वय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सदस्यों की सक्रिय भागीदारी एवं एकजुटता आवश्यक है।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री छत्तर सिंह गिड़िया ने श्री सीताराम जी सैनी को शाखा अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई तथा मारवाड़ी दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। इसके पश्चात मंडलीय उपाध्यक्ष श्री माणिक लाल दममाणी ने शाखा के अन्य पदाधिकारियों को पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह संपन्न



५ अक्टूबर २०२६ को गोरेश्वर बाजार रोड स्थित हनुमान मंदिर परिसर में मारवाड़ी सम्मेलन, गोरेश्वर शाखा के सत्र २०२५--२०२७ का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ।

इस अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा सहित प्रांतीय पदाधिकारी श्री राजकुमार तिवाड़ी, श्री संजय मौर एवं श्री माखन तोदी उपस्थित रहे। गोरेश्वर मारवाड़ी युवा मंच एवं मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

समारोह में श्री सागरमल अग्रवाल, संस्थापक अध्यक्ष, श्री मणिशंकर चौधरी, श्री संतोष जैन, संस्थापक उपाध्यक्ष, श्री संजय बाकलीवाल, शाखा मंत्री, श्री विजय अग्रवाल, संयुक्त मंत्री तथा श्री जयकिशन, बंब ने कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ ली। कार्यकारिणी सदस्यों श्री गिरधारी अग्रवाल, श्री संजय सुराणा, श्री कमल जैन एवं श्री आनंद जैन 'चिंटू' को भी शपथ दिलाई गई।

प्रांतीय पदाधिकारीयों का दौरा



जागीरोड शाखा : पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष मुख्यालय श्री विनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक एवं प्रांतीय संगठन मंत्री श्री मनोज काला ने आज एक दिवसीय संगठनात्मक भ्रमण के दौरान सर्वप्रथम जागीरोड शाखा का दौरा किया।

इस अवसर पर जागीरोड शाखा अध्यक्ष श्री प्रमोद गोलछा के कार्यालय में उनसे आत्मीय भेंट एवं संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। साथ ही श्री राजेश चांडक से भी मुलाकात कर शाखा की गतिविधियों एवं संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद किया गया।

इस संगठनात्मक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रावास निर्माण कार्य की प्रगति एवं आगामी योजनाओं की जानकारी साझा करना, भाग्यशाली दानपत्र योजना के माध्यम से शाखा को और अधिक सशक्त बनाने हेतु जागरण करना तथा शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित कर उनके सुझाव, विचार एवं अपेक्षाओं को जानना है।



नगांव शाखा : पूर्वोत्तर प्रादेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय पदाधिकारियों के एक दल ३० सितंबर २०२६ को नगांव शाखा का दौरा कर संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर चर्चा की। दल ने मंडलीय उपाध्यक्ष श्री संजय गाडोदिया के व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर शाखा पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

दल में प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद कुमार लोहिया, प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री मनोज काला एवं मंडलीय सहायक मंत्री श्री विकास अग्रवाल उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मंडलीय उपाध्यक्ष श्री संजय गाडोदिया, शाखा उपाध्यक्ष श्री गोपाल पौद्दार, श्री होलाशमल बोथरा, सचिव श्री विजय राज किल्ला, सह-सचिव श्री अरुण नागरका, संगठन मंत्री श्री दिलीप शोभासरिया एवं पूर्व शाखा अध्यक्ष श्री ललित कोठारी उपस्थित रहे।



छापरमुख शाखा : एक दिवसीय संगठनात्मक भ्रमण का द्वितीय पड़ाव छापरमुख में रहा। यहां छापरमुख शाखा अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल के निवास पर प्रांतीय पदाधिकारियों की एक औपचारिक बैठक आयोजित हुई।

बैठक में मंडलीय सहायक मंत्री श्री विकास अग्रवाल, शाखा सदस्यों में श्रीमती गोविंदी देवी अग्रवाल, श्री प्रकाश अग्रवाल, श्रीमती कोमल अग्रवाल, श्रीमती गंगा अग्रवाल, श्री प्रियश अग्रवाल, सुश्री महिमा अग्रवाल, तीन नम्बर वार्ड कमिश्नर श्री रितेश कनोई, श्री विनोद जी अग्रवाल एवं श्री सुरेन्द्र अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।



रोहा शाखा : भ्रमण दल अपने एक दिवसीय संगठनात्मक भ्रमण के तृतीय पड़ाव में रोहा पहुंचा, जहां श्री विष्णु जी खेतान के आवास पर शाखा पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ एक अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर प्रांत की ओर से रोहा शाखा अध्यक्ष श्री मातुराम शर्मा को दुपट्टा पहनाकर आत्मीय अभिनंदन किया गया।

बैठक में मंडलीय सहायक मंत्री श्री विकास अग्रवाल सहित शाखा सदस्यों में श्री विष्णु खेतान, श्री अशोक खेतान, श्री शिव खेतान, श्री संदीप खेतान, श्री शिव शर्मा एवं श्रीमती मंजू खेतान की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इसके बाद तेजपुर शाखा का दौरा किया गया। तेजपुर शाखा अध्यक्ष श्री सुनील सराफ, सचिव श्री प्रेम झंवर, कोषाध्यक्ष श्री अनूप जालान एवं श्री सुशील गोलछा ने बैठक में भाग लिया। बैठक में संगठन की वर्तमान गतिविधियों, आगामी प्रांतीय कार्यक्रमों, छात्रावास निर्माण, भाग्यशाली दानपत्र योजना तथा समाज हित से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

'हाट बाजार' का आयोजन



गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा द्वारा चाबिपूल स्थित सरकारी एल.पी. स्कूल परिसर में सेवा-उन्मुख 'हाट बाजार' का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि इस विद्यालय को कामरूप शाखा ने गोद लिया है।

कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटनकर्ता एवं पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, प्रांत की प्रथम महिला श्रीमती सरला काबरा एवं अतिथियों द्वारा भगवान गणेश पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इस अवसर पर श्री विनोद कुमार लोहिया, श्री रमेश कुमार चांडक, श्री मनोज जैन काला, श्री दिनेश गुप्ता, श्री सुशील गोयल, श्री निरंजन सिकरिया, श्रीमती सरला काबरा, श्री सम्पत मिश्र, श्री अजित शर्मा, श्री अनुज चौधरी, श्री सूरज सिंघानिया एवं श्रीमती रश्मि जैन सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

महिला प्रकोष्ठ ने श्रीमती कंचन शर्मा के संयोजन में शाखा सदस्यों के घरों से पुराने, साफ-सुथरे एवं पहनने योग्य वस्त्र एकत्र कर उन्हें व्यवस्थित ढंग से पैक किया और जरूरतमंद एवं आश्रित परिवारों को सम्मानपूर्वक निःशुल्क वितरित किया। आयोजन में बड़ी संख्या में जरूरतमंद पहुँचे और सैकड़ों परिवार लाभान्वित हुए। महिला सदस्यों ने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया।

उद्घाटन सत्र में श्री सुशील गोयल एवं श्री कैलाश काबरा ने शाखा के सेवा कार्यों की सराहना की। श्री कैलाश काबरा ने गांधीजी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सादगी एवं सेवा के आदर्शों का उल्लेख करते हुए हाट बाजार को इन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने वाला सराहनीय प्रयास बताया।

कार्यक्रम में श्री संजय घिडीया, श्रीमती सरिता लोहिया, श्रीमती कंचन शर्मा, श्रीमती पूजा निमोदिया, श्रीमती पिंकी घिडीया, श्री बिस्वम्भर शर्मा, श्री संजय खेतान, श्री सुरेश अग्रवाल, श्री अनिल शर्मा, श्रीमती रश्मि चौधरी, श्रीमती सरला जैन, श्रीमती नीलम जाजोदिया, श्रीमती बबीता अग्रवाल, श्रीमती बबीता खेतान, श्रीमती सुनीता गुप्ता एवं श्रीमती विजया शर्मा सहित बड़ी संख्या में शाखा के पुरुष एवं महिला सदस्य उपस्थित रहे।

डांडिया रास संपन्न



मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी महिला शाखा की ओर से उल्लास एवं उत्साह से परिपूर्ण **डांडिया रास** कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष **श्रीमती संतोष शर्मा** के नेतृत्व में अतिथियों के साथ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात माता रानी के जयकारों के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई।

डांडिया रास के दौरान महिला सदस्यों में विशेष उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक परिधान एवं संगीत के बीच आयोजित कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ परिधान, सर्वश्रेष्ठ डांडिया, सर्वश्रेष्ठ जोड़ी एवं सर्वाधिक ऊर्जावान नृत्य सहित विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती प्रीति बहरुका तथा विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्रीमती कंचन पोदार, श्रीमती सुनीता भूतेरिया एवं श्रीमती प्रीति बेद उपस्थित रहीं। निर्णायक मंडल में बॉबी बादशाह, मोना गोड़ एवं पायल जैन ने भूमिका निभाई।

कार्यक्रम की संयोजिकाएं निकिता सांखोला, शीतल जालान, राजश्री कुचेरिया एवं प्रेमलता सिंघानिया रहीं। शाखा की सलाहकार सरोज मित्तल, शारदा केडिया एवं वंदना सोमानी, स्थायी आमंत्रित सदस्य अनीता अग्रवाल एवं जयश्री झुनझुनवाला तथा उपाध्यक्ष रश्मि जैन सहित अनेक महिला सदस्य उपस्थित रहीं।

शाखा अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा ने सभी अतिथियों, निर्णायकों, संयोजिकाओं एवं महिला शाखा की सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग एवं उत्साह से कार्यक्रम सफल एवं यादगार बन सका।

निर्माणाधीन महिला छात्रावास हेतु सहयोग



६ अक्टूबर २०२६ को धुबड़ी तेरापंथ सभा भवन में मारवाड़ी सम्मेलन की एक गरिमामयी सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर धुबड़ी शाखा के सलाहकार एवं समाजसेवी श्री जौहरीमल सुराणा ने गुवाहाटी में निर्माणाधीन महिला छात्रावास के निर्माण हेतु ₹१,००,००० (एक लाख रुपये) का चेक पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा को प्रदान किया।

सम्मेलन ने इस पुनीत सहयोग के लिए उनके प्रति हार्दिक आभार एवं साधुवाद व्यक्त किया।

GAMCO
LET'S GROW
(Golden Goenka Group)

BUILDING A UNIQUE PORTFOLIO OF ASSETS

Creating sustainable value for all stakeholders



- Multi-Asset Investments
- Capital Market Investments
- Real Estate
- Warehousuing
- Structured Finaring & Secured Lending
- Investments in Emerging Companies

At Gamco, our vision is to stay successful through strategic multi-asset investments and sustainable value creation.
Our distinctive asset curation strategy makes us unique among listed companies.

GAMCO LIMITED

25A S.P. Mukherjee Road, Kolkata-700025
Phone: 03324750073
Email: gamcoltd@gamco.co.in
Website: www.gamco.co.in

पितृपक्ष

सितंबर की एक सुबह थी। शहर में रोज की तरह भागदौड़ शुरू हो चुकी थी। सड़कों पर ट्रैफिक था, मोबाइल फोन पर लगातार संदेश आ रहे थे और घर के हर सदस्य की अपनी-अपनी व्यस्तता थी।

लेकिन उस दिन घर का माहौल थोड़ा अलग था।

पितृपक्ष शुरू हो चुका था।

रसोई में माँ श्राद्ध के लिए भोजन की तैयारी कर रही थीं। पिता जी आवश्यक सामान की व्यवस्था में लगे थे। दादी पूजा की तैयारी कर रही थीं। दूसरी ओर, उनका पोता आरव लैपटॉप लेकर अपने कमरे में बैठा ऑफिस की ऑनलाइन मीटिंग में व्यस्त था।

दादी ने आवाज लगाई–"आरव बेटा, जरा इधर आना।"

"दादी, अभी मीटिंग चल रही है– थोड़ी देर बाद आता हूँ।"

दादी चुप हो गईं। कुछ देर बाद उन्होंने अपने पुराने संदूक का ताला खोला। संदूक में कपड़ों के बीच एक पुरानी, पीली पड़ चुकी तस्वीर रखी थी। तस्वीर को हाथ में लेकर वे काफी देर तक उसे देखती रहीं।



मीटिंग समाप्त होने के बाद आरव बाहर आया।

दादी ने तस्वीर उसकी ओर बढ़ाते हुए पूछा–

"बताओ, इन्हें पहचानते हो?"

आरव ने तस्वीर देखी। उसमें एक गंभीर चेहरे वाले बुजुर्ग व्यक्ति खड़े थे।

"नहीं दादी– कौन हैं?"

दादी कुछ क्षण चुप रहीं। फिर बोलीं–"ये तुम्हारे परदादा हैं।"

आरव थोड़ा आश्चर्यचकित हुआ।

"परदादा? मैंने तो इन्हें कभी देखा ही नहीं।"

दादी मुस्कुराईं।

"तुमने इन्हें देखा नहीं, लेकिन तुम्हारे जीवन में इनका हिस्सा बहुत बड़ा है।"

आरव ने उत्सुकता से पूछा, "वह कैसे?"

दादी ने तस्वीर को अपने पास रखा और धीरे-धीरे बोलना शुरू किया।

"जब तुम्हारे परदादा युवा थे, तब हमारे पास आज जैसी सुविधाएँ नहीं थीं। घर चलाना आसान नहीं था। उन्होंने बहुत संघर्ष किया। सुबह से रात तक मेहनत करते थे। अपने लिए कम और परिवार के लिए ज्यादा सोचते थे। तुम्हारे दादा की पढ़ाई के लिए उन्होंने कई इच्छाएँ छोड़ दीं।"

आरव ध्यान से सुन रहा था।

दादी आगे बोलीं–"एक बार घर में आर्थिक कठिनाई आई। किसी ने सलाह दी कि तुम्हारे दादा की पढ़ाई रोक दी जाए। लेकिन तुम्हारे परदादा ने साफ कहा था– "पैसा फिर आ जाएगा, लेकिन बच्चे की शिक्षा का समय वापस नहीं आएगा।"

आरव की आँखें तस्वीर पर टिक गईं।

दादी ने कहा–"आज तुम्हारे पास अच्छी शिक्षा है, सुविधा है, अपना कमरा है, कंप्यूटर है, मोबाइल है– लेकिन इन सबके पीछे कई लोगों का त्याग है, जिन्हें तुमने कभी देखा तक नहीं।"

आरव के पास कोई उत्तर नहीं था।

एक सवाल, जिसने सोच बदल दी

कुछ देर बाद आरव ने पूछा–

"लेकिन दादी, पितृपक्ष में हम उन्हें याद क्यों करते हैं? क्या सिर्फ इसलिए कि वे हमारे पूर्वज हैं?"

दादी ने कहा– "नहीं बेटा। पितृपक्ष हमें केवल मृत लोगों को याद करना नहीं सिखाता। यह हमें कृतज्ञ होना सिखाता है।"

फिर उन्होंने एक दीपक जलाया और बोलीं–"जिस पेड़ के फल हम खाते हैं, उसकी जड़ें हमें दिखाई नहीं देतीं। लेकिन पेड़ की मजबूती उन्हीं जड़ों पर निर्भर करती है। परिवार भी ऐसा ही होता है। हम उसकी शाखाएँ और नई पत्तियाँ हैं, जबकि हमारे पूर्वज उसकी जड़ें हैं।"

आरव पहली बार इस बात को उस दृष्टि से समझ रहा था।

उस शाम आरव ने दादी से कहा–

"दादी, क्या आपके पास परदादा की और तस्वीरें हैं?"

दादी ने आश्चर्य से पूछा–"क्यों?"

आरव ने कहा–"मैं सबकी तस्वीरें स्कैन करके सुरक्षित रखूँगा। और आप मुझे उनके बारे में सारी बातें बताएँगी। मैं रिकॉर्ड भी करूँगा, ताकि आने वाली पीढ़ी उन्हें जान सके।"

दादी की आँखों में आँसू आ गए।

उन्होंने कहा–"आज मुझे लगा कि मेरे पोते ने सच में अपने पूर्वजों को समझ लिया।"

आरव ने तस्वीर को ध्यान से देखा और कहा–

"दादी, अब मैं समझ गया हूँ। पितृपक्ष सिर्फ उन्हें याद करने का समय नहीं है। यह यह याद करने का समय है कि हम हैं कौन और हमारी जड़ें कहाँ हैं।"

दादी ने सिर पर हाथ रखते हुए कहा–"बस बेटा, यही समझ सबसे बड़ा संस्कार है।"

उस रात घर के मंदिर में एक छोटा-सा दीपक जल रहा था। दीपक के सामने पूर्वजों की तस्वीरें थीं। और तस्वीरों के सामने खड़ी नई पीढ़ी। एक पीढ़ी जा चुकी थी। दूसरी पीढ़ी आगे बढ़ रही थी। लेकिन दोनों के बीच एक चीज अब भी जीवित थी– संस्कारों की वह लौ, जिसे पितृपक्ष हर वर्ष फिर से प्रज्वलित करता है।

शक्ति के नौ स्वरूप

जब संसार में अधर्म बढ़ता है, जब अन्याय अपनी सीमाएँ लाँघने लगता है और जब मानव अपने भीतर की शक्ति को भूलने लगता है, तब भारतीय संस्कृति उसे एक ऐसी शक्ति की याद दिलाती है, जो सृष्टि की जननी भी है और दुष्टों का संहार करने वाली भी।

वह शक्ति है–माँ दुर्गा।

पौराणिक परंपरा में माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों को नवदुर्गा कहा गया है।

पहला दिन – माँ शैलपुत्री

नवरात्रि का पहला दिन माँ शैलपुत्री को समर्पित है। "शैल" अर्थात पर्वत और "पुत्री" अर्थात पुत्री। माँ शैलपुत्री को पर्वतराज हिमालय की पुत्री माना जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार यही देवी पूर्वजन्म में सती थीं। पिता दक्ष के यज्ञ में पति भगवान शिव का अपमान सहन न कर पाने के कारण उन्होंने योगाग्नि में अपना शरीर त्याग दिया। बाद में उन्होंने हिमालय के घर जन्म लेकर पार्वती के रूप में भगवान शिव को पुनः प्राप्त किया।

उनकी कथा हमें बताती है कि परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन हों, संकल्प मजबूत हो तो नई शुरुआत संभव है।

दूसरा दिन – माँ ब्रह्मचारिणी

दूसरे दिन माँ ब्रह्मचारिणी की पूजा होती है। पौराणिक कथा के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की। वर्षों तक उन्होंने कठिन परिस्थितियों में साधना की, लेकिन अपने संकल्प से विचलित नहीं हुईं। इसी तप और साधना के कारण उनका यह स्वरूप ब्रह्मचारिणी कहलाया।

आज के जीवन में इस रूप का संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है। हर सफलता तुरंत नहीं मिलती। कुछ सपनों के लिए वर्षों तक मेहनत करनी पड़ती है।

तीसरा दिन – माँ चंद्रघंटा

तीसरे दिन माँ चंद्रघंटा की आराधना होती है। उनके मस्तक पर अर्धचंद्र सुशोभित है और उनका स्वरूप शौर्य एवं पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक परंपरा में देवी का यह स्वरूप दुष्ट शक्तियों के विरुद्ध युद्ध करने वाला माना गया है। लेकिन उनकी शक्ति केवल युद्ध की शक्ति नहीं है। उनके स्वरूप में करुणा और वीरता दोनों का संतुलन दिखाई देता है।

जीवन में भी हमें यही संतुलन चाहिए। जहाँ प्रेम आवश्यक हो, वहाँ प्रेम। जहाँ धैर्य आवश्यक हो, वहाँ धैर्य। और जहाँ अन्याय के सामने खड़े होना आवश्यक हो, वहाँ साहस।

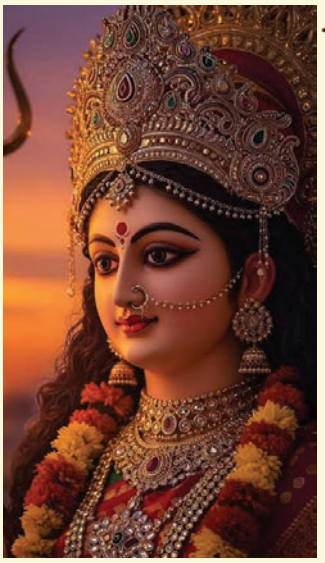
चौथा दिन – माँ कूष्मांडा

चौथे दिन माँ कूष्मांडा की पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यता है कि जब चारों ओर अंधकार था, तब देवी ने अपनी दिव्य मुस्कान से सृष्टि में प्रकाश उत्पन्न किया। इसी कारण उन्हें सृष्टि की आदिशक्ति के रूप में भी स्मरण किया जाता है।

यह कथा प्रतीकात्मक रूप से हमें बताती है कि अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, एक छोटी-सी सकारात्मक ऊर्जा भी प्रकाश का मार्ग खोल सकती है। हमारे जीवन में भी निराशा के क्षण आते हैं। ऐसे समय में हमें स्वयं प्रकाश बनना चाहिए।

पाँचवाँ दिन – माँ स्कंदमाता

पाँचवें दिन माँ स्कंदमाता की पूजा होती है। उन्हें भगवान कार्तिकेय अर्थात् स्कंद की माता माना जाता है। माँ की गोद में बालक स्कंद का स्वरूप मातृत्व की शक्ति का प्रतीक है। यह स्वरूप हमें बताता है कि ममता केवल भावुकता नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है। माँ अपने बच्चे को केवल जन्म नहीं देतीं, बल्कि उसे संस्कार, साहस और सही दिशा भी देती हैं।



छठा दिन – माँ कात्यायनी

छठे दिन माँ कात्यायनी की आराधना की जाती है। पौराणिक कथा के अनुसार महिषासुर के अत्याचार से देवता और मानव परेशान थे। तब देवताओं की शक्तियों के समन्वय से देवी ने कात्यायनी रूप धारण किया और महिषासुर का वध किया। यह कथा हमें एक गहरा संदेश देती है– जब समाज अन्याय के सामने मौन हो जाता है, तब अन्याय और शक्तिशाली हो जाता है।

सातवाँ दिन – माँ कालरात्रि

नवरात्रि का सातवाँ दिन माँ कालरात्रि को समर्पित है। उनका स्वरूप अत्यंत उग्र माना जाता है। लेकिन उनका उद्देश्य भय पैदा करना नहीं, बल्कि भय का अंत करना है।

माँ कालरात्रि का संदेश बहुत गहरा है– जिससे हम डरते हैं, उसका सामना किए बिना उससे मुक्ति नहीं मिलती।

जीवन में भी असफलता, बीमारी, आर्थिक संकट, अकेलापन और भविष्य की चिंता जैसे अनेक भय होते हैं।

आठवाँ दिन – माँ महागौरी

आठवें दिन माँ महागौरी की पूजा की जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार कठोर तपस्या के कारण माता पार्वती का शरीर धूल और तप से आच्छादित हो गया था। भगवान शिव की कृपा से उनका स्वरूप अत्यंत गौर और प्रकाशमय हुआ, इसलिए वे महागौरी कहलायीं। उनका स्वरूप पवित्रता, शांति और निर्मलता का प्रतीक है।

आज के जीवन में बाहरी सुंदरता की तुलना में मन की सुंदरता अधिक महत्वपूर्ण है।

नौवाँ दिन – माँ सिद्धिदात्री

नवरात्रि के अंतिम दिन माँ सिद्धिदात्री की पूजा होती है।

उन्हें सिद्धियाँ प्रदान करने वाली देवी माना जाता है। उनका स्वरूप साधना की पूर्णता और आत्मिक उपलब्धि का प्रतीक है।

नौ दिनों की यात्रा यहाँ आकर पूर्ण होती है।

पहले दिन हमने संकल्प लिया। दूसरे दिन तप किया। तीसरे दिन साहस पाया। चौथे दिन सृजन सीखा। पाँचवें दिन ममता और जिम्मेदारी समझी। छठे दिन अन्याय के विरुद्ध खड़े हुए। सातवें दिन भय पर विजय पाई। आठवें दिन मन को शुद्ध किया। और नौवें दिन आत्मबोध की ओर पहुँचे। यही नवरात्रि की वास्तविक यात्रा है।

INTRODUCING

manipal hospitals
LIFE'S ON

Comprehensive Cancer Care Centre

200-bed Manipal Comprehensive Cancer Care Centre, EM Bypass is one of the most advanced Cancer Care units today. The hospital is equipped with a comprehensive cancer treatment facility and provides latest cutting-edge technology along with a team of Senior Onco-Specialists.

Our Specialities:

- Organ specific Onco-Surgeons for Head & Neck, Urology, Gynaecology, Breast, Orthopaedic, GI & Thoracic, and Reconstructive Surgery
- Senior Specialists for Medical Oncology, Clinical Hematology, Hemato Oncology & Bone Marrow Transplant (BMT), Radiation Oncology, Paediatric Cancer, Nuclear Medicine
- Robotic & Advanced Microsurgery by latest version Da Vinci X Surgical Robot
- Radiation Oncology by latest TrueBeam Technology
- Advanced Onco Pathology Lab with molecular diagnosis facility



City's most Dedicated Team with Unparalleled Skill



Da Vinci X Surgical Robot

THE BRAIN OF A HUMAN AND THE HANDS OF A MACHINE

Robotic Surgeries at Manipal Hospitals offer the quickest way to heal

Manipal Hospital EM Bypass: 127 Mukundapur, E.M. Bypass, Kolkata, West Bengal 700099

www.manipalhospitals.com | 033 **6680 0000**

शिवसागर शाखा द्वारा गुवाहाटी की संस्थाओं का सम्मान



ऊपरी असम के शिवसागर, चरादेव एवं जोरहाट जिलों में आई भीषण बाढ़ के दौरान प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने में सहयोग करने वाली सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के सम्मान में गुवाहाटी में अभिनंदन सभा आयोजित की गई।

मारवाड़ी सम्मेलन, शिवसागर शाखा के आह्वान पर बाबा रामदेव भक्त संगम, गुवाहाटी के आतिथ्य में आठगांव स्थित किरण श्री होम में आयोजित कार्यक्रम में श्री श्री माँ बगलामुखी सेवा समिति एवं गोलोक परिवार की भी सहभागिता रही। सभा में बाढ़ राहत कार्यों के दौरान तीनों संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई राहत सामग्री एवं सहयोग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

शिवसागर एवं सिमलगुड़ी से पहुंचे समाजबंधुओं ने तीनों संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का स्मृति-चिह्न एवं असमिया संस्कृति के प्रतीक फुलाम गमछा भेंट कर अभिनंदन किया। सभा की अध्यक्षता बाबा रामदेव भक्त संगम के अध्यक्ष श्री घेवरचंद सिपानी ने की, जबकि संचालन संगठन के संस्थापक अध्यक्ष श्री दीपक पोद्दार ने किया।

इस अवसर पर श्री घेवरचंद सिपानी, श्री ओमप्रकाश खण्डेलवाल, श्री विनोद अग्रवाल एवं श्री दीपक पोद्दार ने बाढ़ के दौरान किए गए राहत एवं सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुंचाना मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचायक है।

मारवाड़ी सम्मेलन, शिवसागर शाखा के अध्यक्ष श्री प्रदीप कुमार खेमका, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री रूपचंद करनानी एवं सिमलगुड़ी शाखा के अध्यक्ष श्री पवन मस्करा ने गुवाहाटी की तीनों संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने संकट की घड़ी में विभिन्न शहरों एवं संस्थाओं के सामूहिक सहयोग को सामाजिक एकता की मिसाल बताया।

कार्यक्रम में शिवसागर शाखा के वरिष्ठ सदस्य श्री सुरेश बरेलीला, संयुक्त सचिव श्री विजय कुमार कसेरा, सिमलगुड़ी शाखा के सचिव श्री विनोद पाटनी एवं पूर्व अध्यक्ष श्री शिव कुमार अग्रवाल सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में बाबा रामदेव भक्त संगम के कोषाध्यक्ष श्री संजय जैन का विशेष योगदान रहा। उन्होंने अतिथियों के ठहरने, जलपान एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

'गोल्डन स्माइल ३.०' का आयोजन



वरिष्ठजनों के सम्मान तथा उनके जीवनानुभवों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से मारवाड़ी सम्मेलन, गुवाहाटी मेट्रो शाखा द्वारा संचालित 'गोल्डन स्माइल प्रोजेक्ट' के अंतर्गत 'गोल्डन स्माइल ३.०' का आयोजन शाखा उपाध्यक्ष श्री राजेश मित्तल के निवास पर उनकी माताजी श्रीमती शांति देवी मित्तल के सानिध्य में किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती शांति देवी मित्तल ने अपने जीवन के संघर्षों, अनुभवों, सपनों एवं पारिवारिक संस्मरणों को आत्मीयता के साथ साझा किया। उन्होंने हरियाणा से असम तक की अपनी जीवन-यात्रा का उल्लेख करते हुए विभिन्न परिस्थितियों एवं चुनौतियों से जुड़े अनुभव बताए। उन्होंने शिक्षा, संस्कार, पारिवारिक जिम्मेदारियों तथा अपनी जड़ों से जुड़े रहने के महत्व पर विशेष जोर दिया। उपस्थित सदस्यों ने उनके अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना और जीवन-मूल्यों से जुड़ी प्रेरणाएं प्राप्त कीं।

कार्यक्रम संयोजक श्री अमित शर्मा एवं श्री सुदर्शन गरोड़िया ने श्रीमती शांति देवी मित्तल को असमिया गामोछा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। शाखा अध्यक्ष श्री अमित कुमार कंसल ने शाखा की ओर से उन्हें प्रभु श्रीराम की प्रतिमा भेंट की। शाखा उपाध्यक्ष श्री राजेश मित्तल की ओर से उपस्थित सदस्यों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष श्री अमित कुमार कंसल, सचिव श्री नवीन हरलालका, उपाध्यक्ष श्री पीयूष गनेरीवाल, श्री गौतम गोयनका, संयुक्त सचिव श्री जितेश जालान सहित श्री रूपेश पोद्दार, श्री मनोज पोद्दार, श्री अनिल शर्मा, श्री अनुराग पोद्दार, श्री अमित कुमार अग्रवाल, श्री रॉकी पोद्दार, श्री अमित शर्मा एवं श्री सुदर्शन गरोड़िया उपस्थित रहे।

भक्ति एवं एकता का संगम



मारवाड़ी समाज एवं प्रांतीय सदस्यों के संयुक्त तत्वावधान में गोसाईगांव स्थित असमिया नामघर में श्रद्धा एवं भक्ति से परिपूर्ण कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने ऐसे आयोजनों को सामाजिक समरसता एवं पारस्परिक सद्भाव को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के माध्यम से असम की समृद्ध सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपरा में विभिन्न समुदायों की सहभागिता और आपसी जुड़ाव का सुंदर स्वरूप सामने आया।

गोसाईगांव शाखा के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण चांडक ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे के निकट लाने के साथ आपसी विश्वास एवं सौहार्द को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

श्री अग्रसेन महाराज की ५१५२वीं जयंती समारोह



११ अक्टूबर २०२६, रविवार को मोरानहाट शाखा के आतिथ्य में अग्रवाल समाज के संस्थापक **श्री अग्रसेन महाराज** की **५१५२वीं जयंती** श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मोरान स्थित श्री राधाकृष्ण विवाह भवन परिसर में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष श्री बिनोद अग्रवाल ने की। मंच पर समाजबंधु श्री सत्यनारायण बेड़िया, विवाह भवन समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष श्री बिनोद भरतिया, प्रांतीय कार्यशाला संयोजक श्री बिमल अग्रवाल, प्रांतीय संयुक्त मंत्री श्री पवन मोर तथा सचिव श्री छगनलाल माड़ोदिया उपस्थित रहे।

स्वागत भाषण एवं उद्देश्य की व्याख्या सचिव श्री छगनलाल माड़ोदिया ने की। अध्यक्ष श्री बिनोद अग्रवाल ने समाजबंधुओं से श्री अग्रसेन महाराज के आदर्शों, भाईचारे, पशुवध निषेध एवं समाजवाद को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। जनसंपर्क अधिकारी श्री पवन जी मोर द्वारा शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसके बाद उपस्थित सदस्यों ने मौन रखकर दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। तत्पश्चात महाराज के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन, पुष्पांजलि एवं आरती की गई।

विभिन्न वक्ताओं श्री पवन मोर, श्री बिमल अग्रवाल, श्री ओमप्रकाश गाड़ोदिया, श्री सत्यनारायण बेड़िया एवं श्रीमती प्रभा अग्रवाल ने महाराज के जीवन, एक रुपया-एक ईंट की परंपरा तथा उनके सामाजिक आदर्शों की वर्तमान प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर श्री सत्यनारायण खाखोलिया एवं श्री राधेश्याम पारीक को 'विशिष्ट अग्रसेन समाजबंधु' तथा श्रीमती प्रेमलता तोदी को 'विशिष्ट अग्रसेन मातृशक्ति' सम्मान से विभूषित किया गया। उन्हें प्रशस्ति-पत्र, साफा, फूलम गमछा एवं शॉल प्रदान किए गए। श्री सत्यनारायण खाखोलिया अपनी पत्नी, पुत्र एवं पुत्रवधू के साथ तथा श्री राधेश्याम पारीक स्वयं उपस्थित होकर सम्मानित हुए। श्रीमती प्रेमलता तोदी की अनुपस्थिति में उनकी पुत्रवधू श्रीमती कविता तोदी एवं भतीजावधू श्रीमती काजल तोदी ने सम्मान ग्रहण किया।

इसके अतिरिक्त श्रीमती गीता खाखोलिया, श्री प्रकाश खाखोलिया, श्रीमती रोशनी खाखोलिया, श्रीमती प्रभा अग्रवाल, श्री बिनोद भरतिया, श्री सत्यनारायण बेड़िया, श्री ओमप्रकाश गाड़ोदिया, श्री श्यामलाल मोर, श्री सुशील बेड़िया एवं श्री अरविंद गाड़ोदिया को फूलम गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया।



अन्य विषयों पर चर्चा के दौरान श्री पवन मोर ने गुवाहाटी में निर्माणाधीन महिला छात्रावास की जानकारी देते हुए मार्च २०२७ तक इसके लोकार्पण की संभावना बताई तथा समाजबंधुओं से सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने ७ नवंबर को प्रस्तावित प्रांतीय भाग्यशाली दानपत्र परियोजना में मोरानहाट शाखा की सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। श्री छगनलाल जी माड़ोदिया ने सार्वजनिक दुर्गापूजा में सभी से सहयोग की अपील की।

अंत में सचिव श्री छगनलाल जी माड़ोदिया ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए श्री राधाकृष्ण विवाह भवन समिति के निःशुल्क भवन उपलब्ध कराने हेतु विशेष आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह संपन्न हुआ।

मनाई गांधी-शास्त्री जयंती



मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटा रोड महिला शाखा की ओर से अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा जैन के नेतृत्व में २ अक्टूबर २०२६ को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाई गई।

सब्जी मंडी स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर दोनों महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा जैन ने गांधीजी के सत्य, अहिंसा एवं त्याग के आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके तीन बंदरों के संदेश को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

सचिव श्रीमती कुसुम बंग ने गांधीजी एवं शास्त्रीजी के सादगीपूर्ण जीवन, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रसेवा की भावना को आज भी प्रासंगिक बताया। सलाहकार श्रीमती सीता देवी हरलालका ने दोनों महापुरुषों के जीवन एवं राष्ट्र के प्रति योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में विजयलक्ष्मी बोथरा, तारा सोनी, सरोज अग्रवाल, तारा सुल्तानिया, स्वीटी गंगवाल एवं सुमित्रा शर्मा सहित शाखा की सदस्याएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम श्रद्धा एवं देशभक्ति की भावना के साथ संपन्न हुआ।

छठी कार्यकारिणी बैठक संपन्न



मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा की वर्तमान सत्र की छठी कार्यकारिणी बैठक आठगांव स्थित होटल एपी होम्स में शाखा अध्यक्ष श्री अजीत कुमार शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पूर्व अध्यक्ष श्री निरंजन सिकरिया, श्री विनोद लोहिया एवं श्री दिनेश गुप्ता सहित सचिव श्री अनुज चौधरी, कोषाध्यक्ष श्री संजय धिरिया तथा अन्य कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में आगामी दीपावली मिलन समारोह ३१ अक्टूबर २०२६ को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही **'एक खोज प्रतिभा की'** कार्यक्रम के ऑडिशन १५ नवंबर, क्वार्टर फाइनल २२ नवंबर, सेमीफाइनल १३ दिसंबर तथा ग्रैंड फिनाले २० दिसंबर २०२६ को आयोजित करने की तिथियाँ निर्धारित की गईं।

अंत में सचिव श्री अनुज चौधरी ने सभी उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

५१ कन्याओं का पूजन



गुवाहाटी महिला शाखा द्वारा नवरात्रि के पावन अवसर पर प्राची कडल कॉर्नर स्कूल, बटालियन गेट में ५१ कन्याओं का पूजन भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। शाखा अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा के नेतृत्व में माँ दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा की सलाहकार श्रीमती सरला काबरा एवं श्रीमती मंजू पाटनी, उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा गोयल तथा संयोजिकाएँ श्रीमती पूजा रुंगटा, श्रीमती बबीता सरावगी, श्रीमती ज्योति शर्मा एवं श्रीमती अंजू खंडेलिया का सराहनीय योगदान रहा।

इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती अलका अग्रवाल के साथ श्रीमती सुमन दासानी, श्रीमती संजीता अग्रवाल, श्रीमती ममता शर्मा, श्रीमती अनीता अग्रवाल एवं श्रीमती उषा पोदार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यकारिणी सभा संपन्न



पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, सिलचर शाखा की कार्यकारिणी सभा ४ अक्टूबर २०२६, रविवार को मिलन मंदिर, सदरघाट में आयोजित हुई। सभा में संस्था का सोसाइटी एक्ट के अंतर्गत विधिवत पंजीकरण होने पर प्रसन्नता व्यक्त की गई। साथ ही, आगामी प्रशासनिक एवं संगठनात्मक कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने का दायित्व मंत्री को सौंपा गया। सम्मेलन की प्रथम वार्षिक साधारण सभा जनवरी में आयोजित करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

बैठक में समाजहित में स्थायी सेवा परियोजनाएँ शुरू करने पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। विशेष रूप से **'मारवाड़ी आरोग्य सदन'** की स्थापना के प्रस्ताव को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। इस महत्त्वाकांक्षी एवं दीर्घकालीन जनसेवी परियोजना के लिए प्राथमिकता के आधार पर उपयुक्त भूमि की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया।

इस दिशा में संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों एवं विभागों के समक्ष शीघ्र प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे। साथ ही, समाज के किसी समाजसेवी अथवा दानदाता द्वारा आरोग्य सदन के लिए भूमि दान करने की इच्छा व्यक्त किए जाने पर उनसे संपर्क कर सहयोग प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा।

सभा में विश्वास व्यक्त किया गया कि प्रस्तावित 'मारवाड़ी आरोग्य सदन' भविष्य में समाज के साथ-साथ आमजन के लिए भी स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

समाज से अपील

बच्चों में बचपन से ही संस्कार का बीजारोपण

बच्चे परिवार समाज एवं राष्ट्र का भविष्य होते है। अतः बच्चों के चरित्र निर्माण हेतु बचपन से ही नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक मर्यादाओं का बीजारोपण करना अनिवार्य है, ताकि एक संस्कारवान एवं सशक्त समाज की नींव रखी जा सके। हम सभी को अपने बच्चों में अपनी भाषा, खान-पान और परंपराओं के प्रति सम्मान जागृत करे। सत्य, ईमानदारी, अनुशासन और बड़ों के प्रति आदर का भाव पैदा करना होगा।

– पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

दिव्यांग बच्चों के साथ गरबा उत्सव मनाया



५ अक्टूबर २०२६ को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, सूरत संग पाँच प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा **गरबा** का भव्य आयोजन किया गया। इसमें सूरत के एक दिव्यांग विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के साथ पाँचों संस्थाओं के महिला एवं पुरुष सदस्यों तथा समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने सम्मिलित होकर माँ अंबे की आराधना की और गरबा नृत्य का आनंद लिया। दिव्यांग बच्चों के साथ खुशियाँ बाँटने का यह अनुभव सभी के लिए अविस्मरणीय रहा।

कार्यक्रम में गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री संजय अग्रवाल** को आमंत्रित किया गया। मुख्य अतिथि सूरत के सांसद श्री मुकेश भाई दलाल ने उनका सम्मान किया। इस अवसर पर सूरत के अनेक प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का सम्मान है, जिसे प्रदेश के सभी सदस्यों ने मिलकर प्रतिष्ठित बनाया है।

गौसेवा कार्यक्रम संपन्न



४ अक्टूबर २०२६ को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की वेसू शाखा द्वारा गौसेवा का व्यापक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शाखा के सदस्यों ने गौशाला पहुँचकर गायों को हरी सब्जियाँ, फल एवं पत्तियाँ खिलाकर सेवा कार्य किया। साथ ही, गौसेवा हेतु ₹२,१०० की राशि दान कर सम्मेलन के नाम से रसीद कटवाई गई।

शाखा अध्यक्ष श्री प्रकाश बिंदल के नेतृत्व में श्री राहुल बजाज, श्री सुशांत बजाज, श्री अमित केडिया, श्री अमित मस्करा सहित अनेक सदस्यों ने इस पुण्य कार्य में सहभागिता निभाई।

श्राद्ध पक्ष के अवसर पर सेवा



९ अक्टूबर २०२६, शुक्रवार को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की तापी उड़ान शाखा द्वारा श्राद्ध पक्ष के पावन अवसर पर सिविल अस्पताल में जरूरतमंदों के लिए भोजन सेवा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरित कर मानवता एवं सेवा भाव का संदेश दिया गया।

शाखा अध्यक्ष श्रीमती मनीषा कजरिया के नेतृत्व में सचिव श्रीमती दिशा लोहिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती रश्मि लाठ, श्रीमती कविता डागा, श्रीमती श्वेता केजरीवाल एवं श्रीमती प्रियंका मस्कारा ने इस पुनीत कार्य में सहभागिता निभाई।

पितृ अमावस्या पर भोजन सेवा



१० अक्टूबर २०२६, शनिवार को गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की सूरत शाखा द्वारा पितृ अमावस्या के पावन अवसर पर अल्थान स्थित शेल्टर होम, सोहम सर्कल में भोजन सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यक्रम में सूरत शाखा के अध्यक्ष श्री सुशील अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री राजा अग्रवाल, सचिव श्री शिवकुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री रमेश मोदी तथा संयोजक श्री राजेंद्र अग्रवाल, श्री अंकुर अग्रवाल, श्री विशाल जी, श्री संतोष जी एवं श्री सूर्यकांत जी अग्रवाल उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कटक (ओडिशा) से पधारे श्री जोगिन्दर जी अग्रवाल अपनी पत्नी, पुत्र एवं पुत्रवधू के साथ अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab



POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
- AB CABLE & OPGW FITTINGS
- POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
- EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
- HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
- SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
- CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
- AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES







Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

DABRIWAL
COURIER
A UNIT OF DABRIWAL VENTURES

DCS
Dolphin Courier Seva
A unit of Debriwal Ventures

DABRIWAL COURIER
DOLPHIN COURIER SEVA

HEAD OFFICE
4, Narayan Prasad Babu Lane, Near Satyanarayan Park,
A. C. Market, Kolkata- 700007, West Bengal
93311 56681 / 93399 56681

CALL FOR LOCAL NATIONAL AND INTERNATIONAL

We Deliver Your Trust Safely & On Time.

All Over India Service
Delivery By Road, Rail & Air





Zonal Office

Delhi
C-52 Vardhman Market
Paharganj, New Delhi
8820087619

Raipur
Sona Tower, Raipur
9339956681

Surat
4/2776, Rabbani Complex
Begumpura, Surat
9825013353

Patna
Krishna Agarwal
9693397334

प्रांतीय समाचार : गुजरात

मां दुर्गा की आराधना



वेसू सांस्कृतिक सेवा समिति द्वारा १४ अक्टूबर को आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव २०२६ में समिति के विशेष आमंत्रण पर गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अधिकांश सदस्यों ने मां दुर्गा के दरबार में शीश नवाया तथा आरती में सम्मिलित होकर मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस भक्तिमय अवसर पर सम्मेलन परिवार ने विश्व कल्याण एवं सुख-समृद्धि की मंगलकामना की।

वेसू सांस्कृतिक सेवा समिति के श्री दीपक बंका, श्री कैलाश लोहिया, श्री सचिन सिंगला एवं श्री अशोक अग्रवाल सहित समिति के सभी सदस्यों ने सम्मेलन परिवार से पधारे सदस्यों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। मां शक्ति की आराधना और चरणों में श्रद्धा-सुमन अर्पित कर सभी ने आनंद एवं आध्यात्मिक शांति की अनुभूति की।

इस अवसर पर सम्मेलन की ओर से प्रदेश अध्यक्ष संजय अग्रवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गोकुल चंद बजाज, महामंत्री शंकर लाल गोयल, संरक्षक कन्हैयालाल वैद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गणपत भंसाली, हस्तीमल बांठिया, गणेश अग्रवाल, गोपाल साह, आलोक अग्रवाल, दीपक डालमिया, अमित मस्करा, विमल अग्रवाल एवं विजय बोथरा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

गुजरात प्रदेश की तापी उड़ान शाखा को भी विशेष आमंत्रण पर मां शक्ति की आराधना में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। शाखा अध्यक्ष श्रीमती मनीषा कजरिया, सचिव दिशा लोहिया एवं कोषाध्यक्ष रश्मि लाठ के साथ महिला समिति की अनेक सदस्याओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

समाज से अपील

युवा शक्ति की सहभागिता बढ़ाने पर जोर

राष्ट्र और समाज के नवनिर्माण हेतु युवाओं की ऊर्जा को संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ना और उन्हें नेतृत्व के आधुनिक अवसर प्रदान कर सशक्त बनाया जाना चाहिए। युवाओं की आधुनिक सोच और उनकी असीमित ऊर्जा को संगठनात्मक ढांचे से जोड़ना आवश्यक है। युवाओं को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ते हुए उन्हें समकालीन चुनौतियों और अवसरों का सामना करने हेतु सशक्त बनाना चाहिए।

– पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रांतीय समाचार : बिहार

पांच एंबुलेंस सेवा प्रकल्प का लोकार्पण



पीड़ित मानवता की सेवा के संकल्प के साथ बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से २६ सितंबर २०२६ को पांच एंबुलेंस सेवा प्रकल्प का शुभारंभ किया गया। पटना के गांधी मैदान स्थित कटास्का निवास (पनाश होटल के बगल में) में आयोजित समारोह में श्री निशांत कुमार, माननीय स्वास्थ्य मंत्री, बिहार सरकार; श्री संजय सरावगी, प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, बिहार एवं श्री ललन कुमार सराफ, उप नेता, सत्तारूढ़ दल, बिहार विधान परिषद ने एंबुलेंस का लोकार्पण किया।

ये पांच एंबुलेंस भागलपुर, बक्सर, तेघड़ा, पुपरी एवं पूर्णिया शाखाओं के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित की गईं। वंचित वर्ग को निःशुल्क तथा अन्य लोगों को रियायती शुल्क पर सेवा उपलब्ध कराई जाएगी।

श्री संजय सरावगी ने सम्मेलन की जनसेवा एवं सामाजिक गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि एंबुलेंस सेवा से आमजन को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। श्री ललन कुमार सराफ ने कहा कि मारवाड़ी समाज सदैव जनसेवा एवं बिहार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है।

अतिथियों एवं स्टेट बैंक के पदाधिकारियों ने संबंधित शाखाओं के पदाधिकारियों को एंबुलेंस की चाबियां सौंपी तथा झंडी दिखाकर पांचों एंबुलेंस को सेवा के लिए रवाना किया।

इस अवसर पर श्री राकेश बंसल, प्रादेशिक अध्यक्ष; श्री विनोद तोदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष; श्री विजय किशोरपुरिया, पूर्व अध्यक्ष; श्री कमल नोपानी, पूर्व अध्यक्ष; श्री बिष्णु कुमार सुरेका, उपाध्यक्ष मुख्यालय; श्री मुकेश जैन, वरीय उपाध्यक्ष; श्री अभिषेक लोहिया, कोषाध्यक्ष; श्री अंजनी सुरेका, महामंत्री; श्री रंदीप झुनझुनवाला, श्री राजेश बजाज, श्री सुनील मोर, डॉ. संजय संथालिया, श्री कमलेश गुप्ता, श्री बासु सराफ सहित पांचों शाखाओं के पदाधिकारी एवं अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

२३ संगठनों के साथ बैठक



२० दिसंबर २०२६ को पटना में आयोजित होने वाले सामाजिक चेतना समागम की तैयारियों को लेकर सम्मेलन एवं समाज से जुड़े २३ संगठनों/संस्थाओं के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में समागम की रूपरेखा एवं तैयारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। उपस्थित समाज बंधुओं ने अपने सुझाव रखते हुए तन-मन-धन से समागम को सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया। संयोजक श्री कमल नोपानी ने सभी संगठनों को एकजुट होकर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया।

प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश बंसल के अनुरोध पर समन्वय के लिए सभी संस्थाओं की समन्वय समिति गठित की गई, जिसके संयोजक का दायित्व अध्यात्मिक सत्संग समिति के अध्यक्ष श्री रमेश चन्द्र गुप्ता को सौंपा गया।

समाज सुधार हेतु बैठक



उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बैठक अध्यक्ष श्री गोपाल तुलस्यान (२०२२–२०२६) की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें मारवाड़ी समाज में सुधार एवं सामाजिक चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए।

प्रमुख प्रस्तावों में सर्वसमाज के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाना, बच्चों में बचपन से संस्कारों का बीजारोपण, महिलाओं एवं युवाओं की सहभागिता बढ़ाना, भारतीय त्योहारों को प्रोत्साहित करना, मायड़ भाषा का प्रचार-प्रसार तथा युवाओं को स्वरोजगार एवं स्वयं के व्यवसाय के लिए प्रेरित करना शामिल है।

विवाहों में व्याप्त कुरीतियों एवं विसंगतियों पर रोक लगाने, विवाह पूर्व रील बनाने हेतु फोटोग्राफी पर प्रतिबंध, सड़कों पर डीजे के साथ नृत्य रोकने तथा अनावश्यक भोजन व्यवस्था से होने वाली बर्बादी को रोकने के प्रस्ताव भी पारित किए गए। इसके अतिरिक्त विवाह प्रकोष्ठ के गठन एवं टूटते वैवाहिक रिश्तों की समस्या पर विचार करने पर जोर दिया गया।

सम्मेलन ने आह्वान किया कि इन प्रस्तावों को केवल शब्दों तक सीमित न रखकर जीवन, परिवार, समाज एवं संगठन की गतिविधियों में अपनाया जाए, ताकि एक सशक्त, संस्कारवान, समृद्ध एवं एकजुट मारवाड़ी समाज का निर्माण हो सके। विवाह आयोजन, मेडिकल कैंप एवं रक्तदान शिविरों के माध्यम से समाजसेवा जारी रखने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की गई।

इस अवसर पर एमएलसी श्री अरुण पाठक ने मारवाड़ी समाज द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की और समाज के योगदान को सराहा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री गोपाल तुलस्यान, श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, श्री मनोज अग्रवाल, श्री प्रदीप केडिया, श्री टीकम चंद सेठिया, श्री आदित्य पोद्दार एवं श्रीमती विनीता अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्री-वेडिंग शूट

हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

डांडिया रास का आयोजन संपन्न



मारवाड़ी सम्मेलन, कानपुर की ओर से ब्रिज होटल में डांडिया रास का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। माँ दुर्गा की आराधना एवं स्तुति को समर्पित इस कार्यक्रम में रंग-बिरंगे गरबा परिधानों में सजी महिलाओं ने डांडिया एवं गरबा नृत्य से समां बांध दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री राकेश सचान एवं सम्मेलन के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर अतिथियों का सम्मान भी किया गया।

ढोल की थाप और 'ढोलिड़ा ढोल बाजे' गीत ने उपस्थित लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। एंकर श्री प्रतीक ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि श्रीमती वर्षा दास, श्रीमती शैलजा एवं अन्य कलाकारों ने डांडिया गीतों पर शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। श्रीमती सीमा ढींगरा के ग्रुप डांस ने भी दर्शकों का मन मोह लिया।

इस अवसर पर सम्मेलन के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, संरक्षक श्री सीताराम मित्तल, श्री बालकृष्ण देवड़ा, श्री नवीन चौधरी, महामंत्री श्री प्रदीप केडिया, प्रादेशिक अध्यक्ष श्री मनोज अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष श्री गोपाल तुलस्यान, महामंत्री श्री प्रवीण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, श्री राकेश पोद्दार, श्री सतीश अग्रवाल, महिला अध्यक्ष श्रीमती आशा केडिया, महामंत्री श्रीमती मोनिका तुलस्यान, श्रीमती विनीता अग्रवाल, श्रीमती मोनिका अग्रवाल, श्रीमती शालू चौधरी, श्रीमती भावना तुलस्यान एवं श्रीमती अंजना अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।



वैकुण्ठ रथ सेवा के १०० दिन पूर्ण



मारवाड़ी सम्मेलन, बेंगलुरु द्वारा संचालित **'वैकुण्ठ रथ'** निःशुल्क अंतिम यात्रा परिवहन सेवा ने अपने १०० दिन पूर्ण कर लिए हैं। मानवता, संवेदना एवं सेवा-भावना को समर्पित यह पहल कठिन समय में शोकाकुल परिवारों को सम्मानपूर्वक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई थी।

सेवा के १०० दिनों का रिपोर्ट कार्ड

३० सितंबर २०२६ तक वैकुण्ठ रथ सेवा के अंतर्गत कुल २२ सेवाएँ संपन्न हुईं। इनमें १७ प्रत्यक्ष सेवाएँ, अन्य संस्थाओं के माध्यम से समन्वित ३ सेवाएँ तथा हवाई मार्ग से समन्वित २ सेवाएँ शामिल हैं। वाहन एक दिन में अधिकतम २ प्रत्यक्ष सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम है तथा इसका सेवा क्षेत्र ९० किलोमीटर तक के कुल आवागमन में विस्तृत है।

व्यवस्थित एवं तकनीक-सक्षम सेवा

सेवा को प्रभावी बनाने के लिए समर्पित बुकिंग नंबर 079-46-350-555, व्यवस्थित कॉल सेंटर, बुकिंग एवं समन्वय प्रणाली विकसित की गई है। कॉल सेंटर ३ सेकंड के भीतर प्रतिक्रिया देने, एक साथ ७ कॉल संभालने तथा ७ कॉल प्रतीक्षा में रखने में सक्षम है। वाहन में GPS/GPRS आधारित लाइव ट्रैकिंग की सुविधा है, जिससे परिवारों एवं समन्वयकों को वाहन की लोकेशन की जानकारी मिलती है। अंतिम संस्कार के लिए आवश्यक सामग्री भी वाहन के साथ उपलब्ध कराई जाती है।

पदाधिकारियों के संदेश

परियोजना अध्यक्ष श्री सुरेंद्र लाल गोयल ने इसे पूरे समाज की सामूहिक उपलब्धि बताते हुए सदस्यों, स्वयंसेवकों, चालकों, समन्वयकों एवं दानदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

परियोजना निदेशक श्री मनीष कुमार अग्रवाल ने कहा कि इन १०० दिनों की यात्रा व्यवस्था को मजबूत बनाने, कमियों को सुधारने तथा तकनीक के माध्यम से सेवा को अधिक त्वरित एवं प्रभावी बनाने की यात्रा रही है। उन्होंने मानवता को जाति एवं क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर रखने पर बल दिया।

बेंगलुरु सम्मेलन के अध्यक्ष श्री पंकज जालान ने सभी सदस्यों से सेवा की जानकारी अधिकाधिक परिवारों तक पहुँचाने तथा इसे स्थायी सेवा-परंपरा बनाने का आह्वान किया।

परियोजना संयोजक श्री अशोक अग्रवाल ने पूरी टीम, स्वयंसेवकों, चालकों, सहयोगियों एवं दानदाताओं के योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि इस सेवा की सबसे बड़ी शक्ति वाहन नहीं, बल्कि इसके पीछे खड़े लोगों का सेवाभाव है।

सम्मेलन के सचिव श्री स्नेह कुमार जाजू ने इसे संगठन के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए सेवा का विस्तार करने, इसे टिकाऊ बनाने तथा अधिकाधिक जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचाने का संकल्प व्यक्त किया।

बुकिंग एवं सेवा संपर्क : 079-46-350-555

पितृपक्ष अमावस्या पर सेवा कार्यक्रम



कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने श्री दादी धाम प्रचार समिति के सहयोग से पितृपक्ष अमावस्या के अवसर पर नेलमंगला टाउन स्थित विश्वशांति निकेतन में सेवा कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर वहाँ रह रहे बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांग नागरिकों को वस्त्र, ओढ़ने के लिए भागलपुरी चादर, तकिया, तकिए के खोल आदि भेंट किए गए। साथ ही भोजन, फल, मिठाई, नमकीन एवं बिस्कुट वितरित किए गए। समिति के सदस्यों ने उनके साथ बैठकर प्रसाद स्वरूप भोजन भी ग्रहण किया।

इस पुनीत कार्य के लिए समिति के सदस्यों ने विश्वशांति निकेतन की संचालक टीम का स्वागत एवं अभिनंदन किया। सम्मेलन के अध्यक्ष श्री शिवकुमार टेकड़ीवाल ने उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया। उपाध्यक्ष श्री जय किशन बजाज ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष इस प्रकार के सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष श्री अरविन्द सलामपुरिया, श्री अनूप अग्रवाल, श्री प्रवीण रूंगटा, श्रीमती संतोष टेकड़ीवाल, श्रीमती सीताराम अग्रवाल, श्रीमती सुरेश जालान, श्री विकास पोद्दार, श्री अजय भोतिका, श्री अनिल केड़िया, श्री रमेश केड़िया, उपाध्यक्ष श्री संजय जाजोदिया, सह-सचिव श्री राजेश जाजोदिया, पूर्व अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल, श्री विजय सिंघानिया, श्री अजय सिंघानिया, श्री विश्वनाथ चौधरी, श्री सौर्य टेकड़ीवाल एवं श्री सार्थक टेकड़ीवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अंत में महासचिव श्री सुरेश जालान ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

समाज से अपील

विवाहों में फैली कुरीतियों-विसंगतियों पर लगाम एवं सुधार

समाज में फैली निम्नलिखित कुरीतियों एवं विसंगतियों पर लगाम एवं सुधार के प्रयास अत्यंत आवश्यक है—

- **प्री-वेडिंग शूट पर अंकुश।**
- **शादी के मौके पर महिलाओं द्वारा सड़कों पर नृत्य का विरोध।**
- **महिलाओं द्वारा शादी व अन्य समारोहो में पुरुषों के बजाय महिलाओं से ही मेकअप एवं मेंहदी आदि कराने पर जोर।**
- **सही उम्र में शादी करने पर जोर।**
- **रात के बजाय दिन में शादी करने पर जोर।**
- **फिजूलखर्चो पर रोक लगानी चाहिए।**
- **शादी विवाह के मौके पर मद्यपान के प्रचलन पर अंकुश/रोक।**

– पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

प्रांतीय समाचार : झारखंड

अग्रसेन परमार्थ भोज का आयोजन



महाराजा अग्रसेन जयंती के अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा की ओर से साकची स्थित श्री अग्रसेन भवन में **'अग्रसेन परमार्थ भोज'** आयोजित किया गया। विद्वान पुरोहितों ने महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात ६१ ब्राह्मणों को भोजन कराकर वस्त्र एवं दक्षिणा प्रदान कर सम्मानित किया गया। उपस्थित ब्राह्मणों ने समाज की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की मंगलकामना की।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल, सचिव बबलु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सन्नी संघी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओमप्रकाश रिंगसिया, प्रदेश महामंत्री अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय भालोटिया, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सन्नी संघी, जिलाध्यक्ष मंटू अग्रवाल, रामकृष्ण चौधरी, नरेश काउंटिया, महावीर मोदी, ओमप्रकाश संघी, बजरंग अग्रवाल, दीपक पारीक, सांवरमल अग्रवाल, निर्मल पटवारी, कुशल गणेरीवाल, ललित डांगा, मनोज गोयल, श्यामसुंदर रिंगसिया, अरुण बाकरेवाल, विमल रिंगसिया, मुरारी अग्रवाल, पप्पू बंसल, कमल सिंघल, कमल चौधरी, प्रमोद खन्ना, पंकज संघी, ओमप्रकाश झाझरिया एवं नरेश सिंघानिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

आयोजन महाराजा अग्रसेन जी के सेवा, सहयोग, समानता एवं परोपकार के आदर्शों के प्रति समाज की आस्था का प्रतीक रहा। शाखा ने भविष्य में भी समाजहित एवं जनकल्याण के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

अभिनंदन



छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सम्मानित सदस्य श्री नारायण जी राठी के अखिल भारतीय महेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम जी सिंघानिया, छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अमर जी बंसल एवं महामंत्री सीए श्री जी. जी. अग्रवाल जी ने उनके निवास पर पहुंचकर अभिनंदन एवं शुभकामनाएं दीं।

श्री राठी की यह उपलब्धि उनकी सामाजिक सक्रियता एवं सेवा भावना का सम्मान है। इस अवसर पर उनके सफल एवं यशस्वी कार्यकाल की मंगलकामना की गई।

उपलब्धियाँ



पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यकारिणी सदस्य श्री पंकज पोद्दार की सुपुत्री सुश्री बांसुरी पोद्दार ने असम **न्यायिक सेवा परीक्षा उत्तीर्ण** कर न्यायिक अधिकारी बनने का गौरव प्राप्त किया है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में ५वाँ स्थान प्राप्त किया है। **बधाई!**



गुवाहाटी की सुश्री कृति धानुका ने प्रतिष्ठित CFC अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड में **स्वर्ण पदक** जीतकर भारत एवं पूर्वोत्तर का गौरव बढ़ाया है। देहरादून के वेल्हम गर्ल्स स्कूल की कक्षा १२वीं की छात्रा कृति ने ब्रिटेन के कैम्ब्रिज स्थित सेल्विन कॉलेज में आयोजित इस प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

सुश्री कृति, श्रीमती स्वाति एवं डॉ. घनश्याम धानुका की सुपुत्री तथा श्रीमती कुसुम एवं श्री अशोक कुमार धानुका की सुपौत्री हैं। **बधाई!**



अयोध्या निवासी अधिवक्ता माननीय श्रीमती सुनीता अग्रवाल जी ६ अक्टूबर २०२६ को सुप्रीम कोर्ट की तृतीय **महिला न्यायाधीश** के रूप में शपथ ली है। इसके पूर्व वे इलाहाबाद और गुजरात हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं। **बधाई!**



सूरत के सिटी लाइट निवासी अरिहंत सुराणा एवं गरिमा सुराणा की पुत्री हेजल सुराणा (जन्म: १५ अप्रैल २०२४) ने मात्र ढाई वर्ष की उम्र में बिना किसी सहायता के संपूर्ण हनुमान चालीसा (४० चौपाइयाँ) कंठस्थ सुनाकर तीन रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। उसके नाम **इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स** एवं **वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इंडिया** में उपलब्धियाँ दर्ज हैं। २४ सितंबर २०२६ को ७ मिनट ३२ सेकंड में हनुमान चालीसा का पाठ कर उसने पूर्व रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए एक नई उपलब्धि हासिल की। **बधाई!**



सूरत के प्रेम अग्रवाल ने सितंबर २०२६ की सीए इंटरमीडिएट परीक्षा में ४९० अंक प्राप्त कर **अखिल भारतीय तीसरी** और **गुजरात में प्रथम रैंक** हासिल की। प्रेम ने छह-सात महीने तक प्रतिदिन ८-१० घंटे नियमित पढ़ाई और मॉक टेस्ट के अभ्यास से यह सफलता पाई। **बधाई!**

मारवाड़ी विरासत : एक शोधपरक स्वागत योग्य प्रयास

मारवाड़ी शब्द मात्र किसी जाति विशेष का संबोधन नहीं है बल्कि सामाजिक सांस्कृतिक समूह है जिसने अपने जीवट, सुझ बूझ, दूर दृष्टि एवं अन्य विशेषताओं के बल पर देश में अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। देश के आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में मारवाड़ी समाज का अप्रतिम योगदान किसी से छिपा नहीं है। रेगिस्तान से निकलकर जोखिम उठाते हुए वे देश के चारों कोनों में फैल गए। व्यापारिक क्षेत्र में उनके अवदान तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुके हैं।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में मारवाड़ी समाज अपनी सौरभ से पूरे देश को सुरभित करता आ रहा है। धन उपार्जन के साथ-साथ दान देने की प्रवृत्ति उन्हें विशिष्टता प्रदान करती है। इन सब के बावजूद समाज के रीति रिवाज, उत्सव, धर्म संस्कार, लोक जीवन, लोक साहित्य पर बहुत ही कम सामग्री उपलब्ध है। मारवाड़ी समाज के इतिहास पर अभी तक उल्लेखनीय कार्य नहीं किया गया है। इस कमी को कुछ हद तक पाटने की कोशिश आई. आई.एम.ई, जयपुर ने की है। हाल ही में उन्होंने मारवाड़ी विरासत शीर्षक की एक काफी टेबल बुक प्रकाशित की है। इस शोध परक अध्ययन एवं प्रकाशन विद्वान डॉक्टर टी.के. तकनेट के निर्देशन में संपन्न हुआ है। आई आई एम ई राष्ट्रीय स्तर का एक सोच संस्थान है जो भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय का वैज्ञानिक एवं औद्योगिक शोध संगठन है।



यह एक आम धारणा बनी हुई है कि मारवाड़ी समाज धन उपार्जन के अलावा राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में उदासीन रहा। इस मिथ को इस शोध परक प्रकाशन ने तथ्यों के साथ तोड़ा है। प्रशासन में स्वतंत्रता संग्राम में पूरे देश के मारवाड़ी समाज के अनेको बलिदानियों एवं घटनाओं का वर्णन किया गया है। यह बताया गया है कि इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण है कि ढाई सौ से अधिक मारवाड़ी १८५७ के संग्राम में फांसी पर चढ़ा दिए गए। तिलक स्वराज फंड एवं कांग्रेस के विभिन्न कार्यक्रमों में रामकृष्ण डालमिया ने उस समय करोड़ो रूपयों के अवदान दिए। मारवाड़ी समाज के स्वतंत्रता सेनानियों का नाम का उल्लेख मिलता है जो की स्वागत योग्य है। खारो रूपयो चांदी को स्वराज महात्मा गांधी को जैसे नारों को समाज के बच्चों - महिलाओं ने घर-घर फैलाया। इस संदर्भ में कोलकाता के दो प्रमुख संस्थानों मारवाड़ी सम्यक समिति तथा हिंदी नाट्य परिषद का उल्लेख भी किया गया है, जिन्होंने खुला करके राजनीतिक आंदोलन में भाग लिया। जलियांवाला बाग में भी अनेक मारवाड़ी शहीद हुए। हनुमान प्रसाद जी पोद्दार का क्रांतिकारियों के साथ संबंधों का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि वे क्रांतिकारियों की गुप्त बैठकों में भाग लेते थे। जाने-माने क्रांतिकारी अरविंदो घोष को मारवाडियों का भरपूर समर्थन था। जबकि उनसे भेंट करना भी भयावह समझा जाता था उस समय ब्यावर के दामोदरदास राठी ने उन्हें ₹१००००० भेंट किया था।

१९२० के आसपास बंगाल के गवर्नर ने मारवाड़ी संगठन के पदाधिकारी को राज भवन में बुलाकर चेतावनी दी आप लोग देशी रियासत से यहां आए हैं। मेरी सरकार २४ घंटे के भीतर आपको बंगाल से बाहर खदेड़ने की क्षमता रखती है। धमकी का समाज पर कोई असर नहीं पड़ा। एक उल्लेखनीय तथ्य है कि राष्ट्रीय आंदोलन की सिलसिले में अपनी यात्राओं के दौरान गांधी जी सामान्यत: मारवाड़ी घरों में ही ठहरते थे। बापू के पांचवें पुत्र जमनालाल बजाज एवं मारवाड़ी समाज पर उनके व्यापक प्रभाव का अत्यंत सजीव चित्रण मिलता है। गांधी जी के मशहूर नमक आंदोलन में भी मारवाडियों ने सक्रियता से हिस्सा लिया। इस सत्याग्रह में भाग लेने के कारण कोलकाता के बडाबाजार से आए लगभग १४ लोगों को जेल जाना पड़ा। मदनलाल बागड़ी जैसे क्रांतिकारी को जिंदा या मुर्दा पकड़ने के लिए ५०००० की राशि घोषित की गई। इस तरह के शोध परक आंकड़ों से ज्ञात हुआ की स्वतंत्रता आंदोलन में मरवाडियों की अहम भूमिका का आज तक उचित आकलन ही नहीं हुआ। पुस्तक में मारवाड़ी महिलाओं के विषय में भी विभिन्न क्षेत्रों में चर्चा मिलती है। आज मारवाड़ी समाज के लोग विभिन्न क्षेत्रों में सिरमौर है जैसे चिकित्सा, जयपुर फुट, कानून, विचारक, पत्रकारिता, शिक्षा - साहित्य, विज्ञान एवं स्टार्टअप। लाल बही खाता, बासा, हुंडी पूर्जा प्रणाली से आगे बढ़ते हुए आज मारवाड़ी समाज चतुर्दिक अपनी कृति का परचम लहरा रहा है। आज भी उनकी सफलता का राज हिसाब कौडी कोडी को सेठानू करोड़ो को नए रूप में समाज का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

इस पुस्तक में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं अन्य संस्थाओं का भी जिक्र किया गया। समाज सुधार जैसे क्षेत्र में भी समाज द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख मिलता है। कुल मिलाकर यह प्रकाशन उल्लेखनीय एवं कई मायनो में प्रथम प्रयास है जिसमें मारवाड़ी समाज के इतिहास के अनछूए एवं अनजाने पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है। २८७ प्रश्नों की यह पुस्तक अत्यंत आकर्षक ग्लोसी पेपर पर प्रिंट एवं दुर्लभ चित्रों के साथ मनभावन प्रस्तुति स्वागत योग्य है। पुस्तक को गागर में सागर भी कहा जा सकता है। इसके लिए डॉक्टर टकनेत एवं उनकी पूरी टीम बधाई के पात्र हैं निश्चय ही यह उनके अथक प्रयासों का ही फल है।

मारवाड़ी भाई-बेहना सू निवेदन

आपा आपणो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हाँ, काईं आपणी मारवाड़ी, आपणी मातृभाषा ने भी छोड़ देनो, खत्म कर देनो चावां हाँ। आपणा में अधिकतर माता-पिता आपणा बच्चा (टाबरा) सू हिंदी, इंग्लिश में बात करा हाँ और गर्व महसूस करा हाँ, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अटातांई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काई आपण मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है। इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सू मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां-पिता जी, भाई-भोजाई, चाचा-चाची जी, सगला घर का सू कोई एक तो बात शुरू करो।

आपणी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सू बचाओ!

काळी माई रो खेड़ो- कळकत्तो

– चेतन स्वामी

भारत मांय कळकत्तो एक इयांकलो स्हैर है, जिकै रै पेटै नी जाणै, कांई-कांई नी कैयो गयो है। कोई कैय रैयो है, कलकत्तो मर रैयो है तो कोई उण सूं उल्टो कैवै कै कळकतो कदेई कोनी मर सकै। एक जणै तो कैय दियो कै धरती माथै नरक रा दरसण करणा होवै तो कळकत्तो देख लेवो। बडै बजार रै अड़तै मछुआ बजार में बिरखा रै दिनां में बैंवतै कादै नै देख्यां ऊपरली बात साची निजर आवै। बारहूं मास कई भांत री गिंध कळकत्तै रै आभै मांय तिरती रैवै। हालांकि आं दिनां में कळकत्तो खासा बदळ रैयो है। सन् १९९० रै आसै पासै बडै बजार मांय दिखणवाळी भीड़ अबै की कम होई है। घणी तेजी सूं मारवाड़ी बाणिया बडै बजार री बजाय आपरा बौपारिक ठिकाणा राजार हाट जियांकली नूंवी ठौड़ां में बणा रैया है। लारै कोई दोय दशक री मंदी में कई पारंपरिक बौपारी अठै रो ठांयचो छोड'र दूजै स्हैरां मांय बसग्या, पण भोत सा अठै री भौम रो हेत बिसरा नी सकै। कपड़ै रै कारबार में कळकतो कदेई पैलै नम्बर माथै आवतो, अबै पांचवैं - छठै नम्बर माथै आवै।

कळकत्तो डायनासोर री ज्यूं आपरो बोझो ढोंवतो आगै बध रैयो है। कळकत्तै नै पूरो देखणो अर पूरो समझणो कोई रै भी खातर असखेल नी है। चावा फ्रांसिसी लिखारा डोमनिक ला पियरे अठै रैया अर कळकत्तै रै जीवण माथै **'द सिटी ऑफ जॉय'** नांव री पोथी लिखी। आ पोथी अर पियरे दोवूं चावा होया। करोड़ूं लोग आखी दुनियां में आ पोथी बांची अर कळकतै नै जाणण री चेस्टा करी। इणरै पछै भारत रा नामी फोटोग्राफर रघुराय, जिका इणी साल रामसरण होया है, कळकत्तै री आतमा नै दरसावण वाळा जीवंत फोटोग्राफ खेंच्या। बां फोटोग्राफ नै बै टेबलॉयड साइज री एक पोथी 'द कलकता' में छाप्या। कळकत्तै री पिछाण बतावण सारू और भी भोत काम होया, कित्ती पोथ्यां लिखीजी, कित्ती डॉक्यूमेंट्री बणी। तो ई ओजूं कळकत्तो पूरो परिभासित होयो

कठै है? लगैटगै साढी तीन सौ साल पैली हुगली नदी रै अगूणै किनारै बस्योड़ा सुतानटी, गोविंदपुर अर कालिकाता गांव रळ'र ई आज रो कळकत्तो है। आ भारत री बा लूंठी नगरी है, जिण में दोय करोड़ लोग पोखना पावै। कैयो जावै कै अंग्रेज जॉब चार्नाक सन् १७६० में २४ अगस्त रै दिन आं तीनूं गांवां नै रळाय'र कळकत्ता री नींव राखी। पैली अठै नवाब सिराजुदौला रो अधिकार हो पछै अंग्रेज क्लाइव अर वॉटसन अठै अधिकार कर लिन्हो। अठै अंग्रेज आपरो फोर्ट विलियम किलो सन १७७३ में बणायो। चौरंगी रै नैड़ै बनराई काट'र अंग्रेजां री बस्ती बसाइजी। सन १८६६ में ओ एशिया रो लंदन कैयीजतो। पण एक तूफान कळकत्तै नै तेसनेस कर नाख्यो, उण वगत अस्सी हजार लोग प्राण गमा दिया। कळकत्तो भोत फोड़ा देख्या है। अठै राजस्थान सूं मारवाड़ी आया।

अग्रवाल, ओसवाळ अर माहेश्वरी जाति रा मोटा सेठ घणकरा अठै सूं पांघरया अर इण स्हैर री उणंति मांय भी मारवाड़ियां रो जोगदान कदेई भुलायो कोनी जा सकै। मारवाड़ी अठै पाट, स्ई, अफीम रो मोटो धंधो करयो। बौपार रै सागै सट्टे रो बजार भी बण्यो। मारवाड़ी प्रेमचंद- रायचंद सट्टे बजार रा किंग हा। दूलीचंद भी मोटो सटोरियो हो। सट्टे में सेठां री हेल्यां बणी भी अर बिकी भी। फतेहपर शेखावाटी रा सेठ सोहनलाल दूगड़ कळकत्तै में सट्टे सूं पइसा कमाय'र मौटा दानवीर बाज्या।

कळकत्तै रा लोग कैवै कै आजादी रै पछै कळकत्तै री प्रगति मांय राजनेतावां री अणदेखी भोत बेजां रैयी। रवीन्द्रनाथ टैगोर, महर्षि अरविंद, सत्यजित राय, विमल मित्र जियांकली सैकड़ी हस्तियां इणरै नांव नामून नै आगै बधावण मांय कोई कसर कोनी छोडी।

कळकतै नै **काळी माई रो खेड़ो** कैयो जावै। आस्था है कै बा ई इण मरणमतै स्हैर नै मरण कोनी देवै। म्हैं मारवाड़ियां री बात करूं। जिको भी मारवाड़ी कळकत्तै कांनी मुंडो कर्यो बो आपरी सफलता सारू काली माई नै धोक दिन्ही अर बडै बजार रै किणी सेन्धै मिनख री गिद्दी मांय सरण लेय आपरो टुगारियो सरू कर दिन्हो। घणकरां माथै मां तूठमान रैई। कळकत्तै री एक-एक स्ट्रीट अर एक-एक मकान मांय ऐड़ा अजोखा-अजोखा इतिहास मंड्योड़ा है कै मिनख जाणनै छिकड़ीबम होय जावै। एक ई बिल्डिंग रा पच्चास कमरा मांय कांई- कांई रचीजग्यो, इण बात रो लेखो-जोखो कुण कर सकै? बडै बजार रै बिचाळै एक क्लाइव- रो नांव री स्ट्रीट है। उणरै ५ क्लाइव- रो रै एक कमरै मांय अजब भांत रो इतिहास रचीज्यो। कोई मारवाड़ी ही इयां कर सकै। नवलगढ शेखावाटी रा एक सेठ मनसुखराय मोर कळकते में फूड ग्रेन रो थोक बौपार करया करता। बां रै मन मांय आई कै अठारह पुराणां नै मूळ संस्कृत में संकलित करया जावणा चाइजै। बै कासी रा नामी संस्कृतज्ञ पिंडत अर शेखावाटी रा नामी पिंडतां नै संवत २०१० रै लगैटगै भेळा करया अर वृहदाकार पुराणां रो संकलण कर पांच साल में पांच-पांच हजार प्रतियां में छपवाय'र आखै देस में निशुल्क बंटवा दिया। इण भांत रै काळजै रो धणी कोई मारवाड़ी ई होय सकै। इणी बडै बजार री एक गिद्दी मांय १०३ साल पैली गीताप्रेस थापणा री योजना बणी अर आज आ भारत री सब सूं मोटी प्रकासण संस्था है। सैकड़ी समाजू संस्थावां अठै बिरवै सूं घेर घुमेर रूंख बणी।

कळकत्तो एक नसै रो नाम है, जिणनै कळकत्तै रो नसो चढ़ जावै बो कलकत्तै बिना रंजै कोनी। बडै बजार री गहमागहमी बिचाळै भी राजस्थान रै मिनख नै लागतो रैवै कै, बो किणी अपरोधै स्हैर में नी होय'र आपरै ई स्हैर मांय है। खाली मारवाड़ी री ई बात नीं है, हरेक नै इयांई लागै। कळकता में पन्द्रह लाख नैड़ा मारवाड़ी लोग रैवै है तो इत्ताई अठै बिहारी भी रैवै। बियां तो कळकत्तो बंगालियां रै सागै-सागै नेपालियां, मद्रासियां, असमियां, तामिलां सैंग भांत रा लोगां नै सरणो देय राख्यो है। कळकत्तै रै खाली मजूरां री बात करां तो सब सूं बेसी अठै बिहारी मजूर है, जिका अठै मुटिया गिरी करै। ट्रान्सपोर्ट लाइण में सब सूं बेसी है। बांरै डील में ताकत रैवै। बंगाली दोरो काम कोनी कर सकै, साफ कैय देवै - 'अरे बाबा, काज होबै ना।' बंगाली सोरो अर कलात्मक काम करण में बेसी रुचि राखै। कळकतै री सड़कां कनारै री भींतां माथै कोरयोड़ा चित्रामां नै देख'र आप कैय सको कै आ है ई चितराम री धरती।

भारी अर मोटी गांठ ढोवण में नेपाली मजूर आगै होवै। बै वजन लेय'र ऊंचाई माथै भी चढ़ जावै, अभ्यास रैवै। उड़िया नौकर भी भोत है। बै भोत विस्वासू मान्या जावै। लाखूं मजदूर मोटी-मोटी बिल्डिंगां रै तल्लां री पेड़ियां कनलै स्पेश में सोवण रो काम करै। दिन में आपरै काम लाग्योड़ा रैवै, जणां कोई रै अड़कांस कोनी होवै। रातवासो आं पेड़ियां कनै लेवै। अठै ई धरयोड़ी लकड़ी री पेटियां में आपरो समान राखै। दिनुगै सिंझया रो खाणो ई अठै ई बणाय'र खावै, पछै आपरै काम माथै निकळ जावै।

कळकत्तो जबरदस्त मंहगाई रै इण जुग में भी सस्तो है। अठै दोय सौ रिपियां में तीन टैम पेट भरयो जा सकै। अठै कोई जमाने में बासा (भोजनालय) संस्कृति ही जिकी अबै सांवकीजती जाय रैयी है। पैलां सेठ लोग भी बासै रो खाणो खावता, अबै नीं। गुजराती बासैवाळा ओजूं भी टीपण भेजण रो काम करै। अठै रा नब्बे फीसदी मजदूर मछली खावणो पसंद करै। शाकाहारी तो भोत कम है। कीं भी खावै-पीवै पण जीवण सूं भरपूर है- ओ स्हैर। भोत सी बातां दूजा स्हैरां में लोप होयगी, बै अठै आज भी लाधै। जियां आज भी भारत में सब सूं वैसी पोथ्यां कळकतै में बिकै,

मोबाइल रै अनाप प्रयोग रै बावजूद बंगाली मिनख पोथी पढणो बेसी स्चै। अठै एक किलोमीटर लग लाम्बी एक गळी रो नांव है - कॉलेज स्ट्रीट। इण गळी में चौफेर एक हजार नेड़ी पोथ्यां री दुकानां है, जिणां में बीस-तीस तो भोत मोटा स्टोर है, जिणां नै देख'र अचम्भो ऊपजै कै किताबां री इत्ती लांठी भी कोई दूकान होय सकै। कैयो जावे कै नी फगत भारत बल्कै ओ एशिया री सबसूं मोटी पोथी बिक्री री ठौड़ है। बंगला भासा मांय इणनै 'बोई पाड़ा' कैवै। किताब नै बंगाली लोग बोई कैवै। चाळीस बरस पैली री एक बात चेतै आवै। विश्व ख्यात राजस्थानी कथाकार विजयदान देथा रै गांव बोस्न्दा मांय रूपायन संस्थान रो सिमरध पुस्तकालय देख'र म्हैं बूझ्यो के अठै ए इत्ती पोथ्यां कठै सूं आई तो बै बतायो कै आं मांय सूं घणकरी पोथ्यां कॉलेज स्ट्रीट कळकत्ता सूं लायोड़ी है। बठै सस्ती मिलगी अर छांटण री सुविधा रैयी। म्हैं ई कॉलेज स्ट्रीट री एक-एक दुकान नै जोवण रो उद्यम करयो। घणकरी दुकानां मांय अंग्रेजी अर बंगला भासा री पोथ्यां ही। हिन्दी री पोथ्यां तो कोई पांच-दस दुकानां मांय ही। बां मांय भी घणकरी नाटकां री पोथ्यां ही। पोथी बेचणियां बतायो कै अठै नाटक भोत होवता रैवै। बंगला नाटकां रै अलावा हिन्दी नाटक भी होवै, इण वास्तै हिन्दी नाटक पोथ्यां राखणी पड़ै। बाकी तो हिन्दी में किताब कुण पढै। एक लूंठै पोथी विक्रेता बतायो कै पैली बांगला पोथ्यां रा संस्करण पचास हजार पोथी रा होवता, पण अबै पोथ्यां पांच हजार री गिणत में छपण लागगी। मतळब बंगाल री घणघोर पाठकीयता माथै भी मोबाइल रो असर होयो है।

इण बार म्हनैं कळकत्ते री एक राजबाड़ी मांय दो-च्यार बार जावण से मौको मिल्यो। बंगाली पारंपरिक जागीरदार परिवार री लाम्बी-चौड़ी राजबाड़ी नै मांय सूं देख'र म्हनै सुखभरयो अचम्भो होयो। आ बाड़ी २४३ बरसां सूं है। पूरी कलात्मक। लारला सौ बरसा मांय जितरा भी नामी शास्त्रीय संगीतकार, गायक, वादक, नृतक होया है, बां सगळां रा कार्यक्रम अठै होय चुक्या अर सैकड़ी कळावंता रा अठै पोट्रेट लाग्योड़ा है। महलनुमा राजबाड़ी रा मालक आनंद शंकर घोष घणी आत्मीयता सूं बतायो कै कळकत्ते में जिको कलाकार आवतो बो एकर इण बाड़ी में आवणो पसंद करतो, उणरी पूरी आवभगत अठै होया करती। बाड़ी कानी सूं सगळा पारंपरिक कामां रो निभाव आज भी करयो जावै। बाड़ी रै लूंठै आंगणै मांय दुर्गा पूजा करी जावै। रघुराय री पोथी मांय भी इण बाड़ी रा छायाचित्र है। कळकत्ते मांय राजवाड़ियां तो भोत है, पण इण घोष राजबाड़ी री बात न्यारी है। आनंद शंकर घोष रा दादा मन्मथनाथ घोष नै संगीत सूं बडो भारी लगाव हो। बै अठै बंगाल म्यूजिक कॉन्फ्रेंस राख्या करता। विश्व कवि रवीन्द्रनाथ टैगोर जोड़ा सांकू मांय रैवता, पण बै इण बाड़ी में घणी बार आया।

कळावां पेटै उदारता अर सम्मान कळकते रै खून मांय है। कळकतै मांय की चीजां बधी है अर की घटती जाय रैयी है। आं बरसां मांय बदळाव भोत होया है। बीस साल में लगैटगै सगळी मारवाड़ी गद्दियां अबै ऑफिस रूप में बणगी। नब्बै फीसदी बडे बजार मांय रैवणवाळा मारवाड़ी परिवार सॉल्ट लेक, राजारहाट, अलीपुर जियांकला दूर-दराज ठौडां में चल्या गया। कदैई कळकत्तै मांय पचास हजार हाथ रिक्सा होया करता, बै अबै दोय हजार भी कोनी रैया। सड़कां माथे ट्रामां चाल्या करती, बै लगैटगै बंद होयगी। कदेई दस पइसा किरायो बधणे पर झोड़ कर लेवणवाळो कळकत्तो भी अबै कोनी रैयो। कदेई दस रिपियां में पेट भरणवाळो कळकत्तो भी अबै कोनी। हां दिनुगै - दिनुगै सत्तू रो घोळ पीवणवाळा लोग महात्मा गांधी मारग माथै काळी गोदाम रै कनै देख्या जा सकै और भी घणी ठौड़ है।

मजूरां रै सिर माथै झाका आज भी कम नीं होया है। हालांकि समान ढोवण वास्तै रिक्शा भोत बध्या है, पण झाका मजूर बिना काम कोनी चालै। मारवाड़ियां नै ओ कळकतो आपरै गांव जैड़ो ई लखावै। अठै मोठ, बाजरी, जवार रो आटो गांव रै ज्यूं ई मिल जावै तो कैर, सांगरी, फळियां, फोफळियां री भी कोई कमी कोनी।

अठै रा लोगां रो विक्टोरिया पार्क में जावण रो कोड कदेई कम कोनी होवै। जदकै कळकत्ते में और भी भोत पार्क है। कळकत्तो आपरै अठै हरेक प्रान्त रै लोगां री संस्कृति नै निभावण रो अवसर देवै। इण नातै ओ एक सहिष्णु स्हैर है। कळकता रै अलीपुर खेतर में भारत रै सबसूं मोटै बगीचै 'हॉर्टीकल्चर पार्क' मांय म्हैं एक हजार फूलां री वैरायटी देख'र अचम्भै में पड़ग्यो। अठै रा लोग वानस्पतिक संरक्षण अर पर्यावरण पेटै घणा सावचेत है। इणी वास्तै कळकत्ते री आम सड़कां रै कनारै फुलवारियां अर पेड़ पौधा जोया जा सकै।

आं बरसां मांय मारवाड़ी बौपारियां रो पाछो कळकत्ते पेटै विस्वास जाम्यो है। बै अठै नूंवै भांत रा बिजनस में खुद नै लगाय रैया है। कळकत्तो बण्यो है जद सूं अठै लोग धन सोधण नै आवता रैया है अर ओ कोई री थोड़ी, कोई री घणी इछा पूरतो रैयो है। कोसां लग भांय में पसरयोड़ै कळकत्ते में आपसदारी आज भी जोयी जा सकै। लोगां रा समाजू अर धारमिक आयोजण होवता ई रैवै अर उण में लोग भेळा होय'र मिलता-जुलता रैवै। इण असाधारण स्हैर नै म्हारै जैड़ा साधारण कलमकार तो एक तुस जित्तो ई कोनी जाण सकै। हमेसा भांत-भांत री हलचल में रैवणवाळै काळी रै इण खेड़ै नै निंवण।

खळखळी

कद सूं कांई?

मरीज - डॉक्टर साहब, म्हारी याददाश्त भोत कमजोर है।

डॉक्टर - कद सूं ?

मरीज - कद सूं कांई ?

बता भाई

दोस्त- भाई, तू इत्तो चुप कियां है?

दूजोड़ो दोस्त- दिमाग अपडेट होय रैयो है... २S पर अटकग्यो।

ठाह नीं कठै उडगी

काल सैलरी आई ही म्हारै सूं मिलण, आज चली गी... स्यात थोड़ी जल्दी में ही।

ठोस बात!

मैं म्हारै भायलै सूं बस ओ ई कैवणो चावूं हूं- म्हारै होवतां तनै बिलकुल चिंता करण री जरूत है।

कै पड्यो है सोचणै में?

जद कोई म्हनैं बूझै – आगै रो कांई सोच्यो है?

मैं कैवूं- लारलो भी म्हारो सोच्योड़ो कोनी हो।

काम री राय

शनिवार रा बीबी सूं झगड़ो करो, अर सोमवार नै मनावो। इयां करयां सूं थे रविवार रा हुवणवाळै खरचै सूं बंच जास्यो।

साच नै नीं भूलणो

बा थांनै हैंडसम बोल'र गुमराह करसी, थे तो बस शीशो देखता रैया।

साच कैवण में कांई डर?

आपरी ३० सूं ४० फोटूवां खेंचायां पछै म्हनैं ठाह पड्यो कै म्हैं फगत दिल सूं सुंदर हूं।

– चेतन स्वामी

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्रीमती शकुंतला गोयल नारायण नगर, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५५४१४६९	**श्री शिव कुमार शर्मा** मेसर्स-शर्मा हार्डवेयर, राहा पुराना चार्ली, नगाँव, असम मो. ९४३५१६१६८५	**श्रीमती श्यामा सरावगी** टी.आर. फुकन रोड भरलुमुख, गुवाहाटी, असम मो. ९९५४१००१०१	**श्रीमती शुचि डागा** भोला मेंशन, एच.बी. रोड फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम मो. ७००२९८५११२	**श्री सुनील जैन** कुमारपट्टी, फैंसी बाजार गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०१७८३२
श्रीमती शारदा शर्मा आलू गोदाम वाली गली, अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५१०६४३२	**श्री शिव अग्रवाल** द्वारा - बालाजी स्टोर मोरीगाँव, जागीरोड, असम मो. ७८९६१४३३९७	**श्री सिद्धांत लोहिया** सबोती, उत्तरी लखीमपुर लखीमपुर, असम मो. ९१२७९२२२२२	**श्रीमती सुचित्रा छाजेड़** अरुणोदय पथ, नारायणनगर, गवाहाटी, असम मौ. ९८६४३२१२११	**श्री सुनील कुमार जैन** पोस्ट - जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ९४३५०६४२५०
श्री श्रवण मलानी बोरपुल, ए.टी. रोड, जोरहाट, असम मो. ९७०६०५११४१	**श्री शिवपाल बिजारणिया** मेसर्स - एम.एस. हार्डवेयर मेन रोड, पापुम पेयर, असम मो. ८८७६००५६७७	**श्री शिखर चंद पारख** चापागुड़ी रोड, उत्तरी बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२३४०५	**श्रीमती सुधा हरलालका** पगलास्थान रोड, बोंगाईगाँव, असम	**श्री सुनील कुमार खेमका** के.सी. गोगोई पथ खलीमारी, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३०९०४
श्रीमती शशि मालू मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२३४०६	**श्रीमती शोभा माहेश्वरी** एम.जी. रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ६०००३६३४१६	**श्रीमती शिल्पा हरलालका** चापागुड़ी रोड, उत्तरी बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०८०६३३	**श्री सुजीत कुमार अगरवाला** बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१३३१	**श्री सुनील कुमार पोद्दार** पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८२५७८३१४१७
श्रीमती शशि मित्तल नारायण नगर, कुमारपाड़ा गुवाहाटी, असम मो. ९८६४९५४०३२	**श्रीमती श्वेता बोथरा** नारायण नगर, गुवाहाटी, असम मो. ९७५४४४३७५०	**श्रीमती सीमा छावछारिया** बोंगाईगाँव, असम मो: ९४३५०२३३३५	**श्री सुखदेव प्रसाद** एल.आई. बाली रोड, धेमाजी, असम मो. ९००१९२३६९१	**श्रीमती सुनीता अग्रवाल** भागदत्तापुर, गरुकाच्छी पथ बेल्तोला तिनाली, गुवाहाटी, असम मो. ७००२३०२८१४
श्रीमती शीतल जैन मेन रोड, निरजुली, नहरलगुन पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८२५७८६७०४०	**श्री श्याम कंकानी** राजगढ़ रोड, भांगागढ़, गुवाहाटी, असम मो. ९७०७३२३९९९	**श्रीमती सीता धूत (स्वाति)** क्रिश्चियन बस्ती, जी. जू. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९७०६०४६४६३	**श्रीमती सुलोचना चौधरी** अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०३००८१	**श्रीमती सुनीता अगरवाला** क्रिश्चियन बस्ती, जी.एस. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ७६३७८५२६७७
श्री शीतल कुमार खेमका दुगड़ु कॉम्प्लेक्स, एस.सी. रोड, अठगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०५०२२३	**श्री श्याम सुंदर अगरवाला** मेसर्स - मेगा ड्रिलिंग कंपनी डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ९४३५०९२६८०	**श्रीमती सीता झंवर** कुमारपाड़ा पांचाली, गुवाहाटी, असम मो: ९८६४९२३२८२	**श्रीमती सुमन सुराणा** जी.एम. कॉलोनी, चपागुरी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७८९९४४३१८१	**श्रीमती सुनीता भुतोड़िया** गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०४९६३५
श्रीमती शिखा हरलालका बोरपाड़ा, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५५१०३१६	**श्री श्याम सुंदर जालान** मेसर्स - जे.पी. गारमेंट बड़ा बाज़ार, नगाँव, असम मो. ९४३५०६१४१९	**श्री सीता राम पारीक** एल.के.बी. रोड, सिलापथार धेमाजी, असम मो. ९९५४६३३३७१	**श्री सुमित अग्रवाल** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२३९०६७३	**श्रीमती सुनीता डागा** जी-एक्सटेंशन रोड, नहरलगुन पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९७७४६२३४३७
श्रीमती शिल्पा जैन ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८६३८९८१२८८	**श्री श्याम सुंदर पुरवा** ए.टी. रोड, ढेकियाजुली सोनितपुर, असम मो. ९९५४५८१४७७	**श्रीमती सीता सिंघल** जी.एम. कॉलोनी, चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७८९६५७७७२७	**श्रीमती सुमित्रा सेठी** द्वारा - असम स्टील कंपनी सुभाष रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५७१९४२१	**श्रीमती सुनीता हरलालका** डेली मार्केट, डेली डी.सी. ऑफिस,बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२०२१७८५
श्रीमती शिल्पी गोयनका बिस्वनाथ चार्ली, सोनितपुर, असम मो. ८८७६३०३१२२	**श्री श्याम सुंदर शर्मा** ए.टी. रोड, कोलिया पानी डूमडूमा, तिनसुकिया, असम मो. ९५०८००४२०९	**श्रीमती सिया शर्मा** जनता भवन, अठगाँव गुवाहाटी, असम मो. ९९५७३५५०७३	**श्री सुनील अग्रवाल** मेसर्स- रामदेव विनोद कुमार ढाकापट्टी, नगाँव, असम मो. ९४३५०६३३०२	**श्रीमती सुनीता जाजू** बी.आर.पी. रोड, कुमारपाड़ा कामरूप, असम मो. ८७६१०११४४२
श्री शिव दयाल तोशनीवाल देरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ८०११९०९७६०	**श्री श्याम सुंदर जाजू** एन.टी. रोड, उत्तरी लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ९९५४१८३८३४	**श्रीमती सोनू बैद** मेसर्स - पवने एंटरप्राइजेज मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९१२३३२५७५६	**श्री सुनील अग्रवाल** खेलमती, उत्तर लखीमपुर, असम मो. ९४३५०८५१३०	**श्रीमती सुनीता जालान** टी.आर. फूकन रोड, फैंसी बाजार, कामरूप, असम मो. ९८६४७०१४९९
श्री शिव गर्ग द्वारा - श्री बालाजी एजेंसी जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ९७०७०६२७०३	**श्री श्याम सुंदर लोहिया** के.बी. रोड, उत्तरी लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ९४३५०८४६१९	**श्री सुभाष शर्मा** मेसर्स- सुभाष राइस मिल, राहा, नगाँव, असम मो. ९४०१५११०९०	**श्री सुनील बंसल** ग्राम- बेमफोर, पोस्ट - टोपातोली, कामरूप, असम	**श्रीमती सुनीता लाखोटिया** गंगा मार्केट, ईटानगर पपुम पारे, अरुणाचल प्रदेश मो. ९५७१२७११३७


RUPA
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
Toll Free No: 1800 1235 001
www.rupaonlinestore.com
Follow Us:
SCAN TO BUY

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 29th October, 2026
RNI Regd. No. 2866/1968

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable
with our End-to-End Smart Metering,
Power-Back & Solar Solutions



SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com